शुक्रवार
06 फरवरी -2026
वर्ष 10, अंक 153
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

पेज-8

रांची। कोडरमा।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कोडरमा आगमन पर हेलीपैड पर जिला प्रशासन की ओर से दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर और स्वागत।

स्क्रूटनी के बाद रांची मेयर पद के 19 प्रत्याशी मैदान में

''अलग पहचान''वरिष्ठ संवाददाता रांची

रांची। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत रांची नगर निगम के मेयर पद के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जांच के बाद चुनाव प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मेयर पद के लिए नामांकन करने वाले सभी 19 अभ्यर्थियों के पर्चे पूरी तरह सही पाए गए हैं। किसी भी प्रत्याशी का नामांकन रद्द नहीं किया गया।

तय नियमों के तहत हुई नामांकन की जांच– चुनाव कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार, सभी उम्मीदवारों के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। आयु, शैक्षणिक योग्यता, शपथ पत्र और अन्य जरूरी शर्तों को परखा गया। जांच में कोई तकनीकी या कानूनी कमी नहीं मिलने के कारण सभी प्रत्याशी चुनाव लड़ने के लिए योग्य घोषित किए गए।

मेयर पद के लिए योग्य पाए गए उम्मीदवार– स्क्रूटनी के बाद जिन 19 उम्मीदवारों को मेयर पद के लिए योग्य माना गया है, उनमें रमा खलखो, सुनील फकीरा कच्छप, देवी दयाल मुंडा, कथरीना तिर्की, सोनू खलखो, राजेंद्र मुंडा, सुजाता कच्छप, विनोद कुमार बड़ाईक, संजय कुमार टोप्पो, प्रवीण कच्छप, सुमन कांत तिग्गा, अजीत लकड़ा, किरण कुमारी, सुरेंद्र लिंडा, रौशनी खलखो, रामशरण तिर्की, सुजीत कुमार कुजूर, सुजीत बिजय आनंद कुजूर और बीरू तिर्की शामिल हैं।

नाम वापसी के बाद साफ होगी चुनावी तस्वीर– अब चुनाव प्रक्रिया के अगले चरण में नाम वापसी की तिथि निर्धारित है। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। इसके बाद चुनाव चिन्ह आवंटन होगा और प्रत्याशी पूरी तरह चुनाव प्रचार में उतरेंगे।

रोचक होने वाला है रांची का मेयर चुनाव– इस बार बड़ी संख्या में उम्मीदवार मैदान में होने से रांची मेयर पद का चुनाव काफी रोचक माना जा रहा है। शहर में सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, ट्रैफिक, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं जैसे मुद्दे चुनाव के दौरान प्रमुखता से उठने की संभावना है। मतदाता भी उम्मीदवारों के वादों और कार्ययोजनाओं पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैनात किए जाने वाले केंद्रीय पर्यवेक्षकों को ब्रीफ किया

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आगामी आम चुनावों के लिए तैनात किए जाने वाले सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों के लिए ब्रीफिंग बैठकों का आयोजन किया। इन ब्रीफिंग बैठकों के लिए कुल 1,444 अधिकारियों को बुलाया गया है, जिनमें 714 सामान्य पर्यवेक्षक, 233 पुलिस पर्यवेक्षक और 497 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। ये बैठकें 5 और 6 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली स्थित IIIDEM में तीन बैचों में आयोजित की जा रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों को संबोधित किया। पर्यवेक्षकों को संबोधित करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि उन्हें निर्वाचन आयोग के 'प्रकाश स्तंभ' के रूप में सेवा करने के लिए चुना गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यवेक्षक स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी उपस्थिति 824 निर्वाचन क्षेत्रों में पूरी चुनाव मशीनरी को ऊर्जावान बनाएगी। चुनाव आयुक्त डॉ. एस.एस. संधू ने कहा कि पर्यवेक्षकों को क्षेत्र में तैनात चुनाव अधिकारियों के लिए 'मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक' के रूप में कार्य करना चाहिए। उनके आगमन का व्यापक प्रचार होना चाहिए और उन्हें

सुलभ रहना चाहिए, ताकि मतदाताओं की शिकायतों का तुरंत निवारण हो सके और पक्षपात की किसी भी धारणा से बचा जा सके। चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करें कि आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन हो और निष्पक्षता व लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखा जाए। डॉ. जोशी ने यह भी निर्देश दिया कि मतदाता सूचना पर्चियां मतदाताओं को समय पर वितरित की जाएं ताकि मतदान के दिन उन्हें कोई असुविधा न हो। आयोग ने शंका-समाधान सत्र में पर्यवेक्षकों के साथ बातचीत भी की। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने पांच चुनावी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव संचालन के विभिन्न पहलुओं पर पर्यवेक्षकों को जानकारी दी। सत्र के दौरान पर्यवेक्षकों को आईटी अनुप्रयोगों, प्लेटफार्मों और मीडिया से संबंधित मामलों के बारे में भी जानकारी दी गई। आयोग की 'आंख और कान' के रूप में, केंद्रीय पर्यवेक्षकों को सभी चुनाव कानूनों, नियमों और दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करने और उनके सख्त एवं निष्पक्ष अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सीधे आयोग को इनपुट प्रदान करने के लिए कहा गया। पर्यवेक्षकों को राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहने तथा मतदाताओं की शिकायतों का समय पर निवारण करने का निर्देश दिया गया। पर्यवेक्षकों को मतदान केंद्रों का दौरा करने और मतदाताओं की सुविधा के लिए आयोग द्वारा की गई हालिया पहलों, विशेष रूप से 'आश्वासित न्यूनतम सुविधाएं' के प्रावधान को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20क्द्वारा प्रदत्त पूर्ण शक्तियों के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में सहायता के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करता है। वे जमीनी स्तर पर चुनावी प्रक्रिया के कुशल और प्रभावी प्रबंधन की निगरानी भी करते हैं।

निलंबित मामलों का शीघ्र करें निष्पादन

साहिबगंज, ब्यूरो ओम प्रकाश

साहिबगंज एसडीपीओ किशोर तिर्की ने गुरुवार को अपने कार्यालय मैं मासिक अपराध की समीक्षा की। इस मौके पर का ए थाना के थाना प्रभारी मौजूद थे। बैठक में विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज अपराधों की समीक्षा की गई। एसडीपीओ ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और नियमित गश्त को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीपीओ ने संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी रखने, असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने तथा जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने

के निर्देश भी दिए। बैठक में सभी थाना प्रभारी स्पष्ट रूप से कहा गया कि अपराध नियंत्रण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं और आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करें।

झारखण्ड निकाय चुनाव में महिलाओं की दमदार मौजूदगी 6979 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

अलग पहचान''
वरिष्ठ संवाददाता, रांची

रांची। झारखण्ड राज्य में होने वाले नगर निकाय चुनाव के तहत 48 नगर निगमों में नामांकन प्रक्रिया बुधवार को पूरी हो गई। अंतिम दिन बड़ी संख्या में प्रत्याशी नामांकन केंद्रों पर पहुंचे और अपने पर्चे दाखिल किए। इसके साथ ही चुनाव की पहली बड़ी प्रक्रिया पूरी हो गई।

अंतिम दिन सबसे ज्यादा हलचल

बुधवार को अंतिम दिन कुल 2,588 उम्मीदवारों ने नामांकन किया। इनमें 275 प्रत्याशियों ने महापौर और अध्यक्ष पद के लिए पर्चा भरा, जबकि 2,313 उम्मीदवारों ने वार्ड पार्षद पद के लिए नामांकन किया। कई जगहों पर सुबह से ही भीड़ देखने को मिली।

कुल 6,979 प्रत्याशी मैदान में

पूरे नामांकन समय में 48 नगर निगमों में कुल 6,979 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें 3,462 महिलाएं शामिल हैं। इस तरह कुल उम्मीदवारों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है, जो चुनाव में उनकी मजबूत भागीदारी को दर्शाती है।

महापौर और अध्यक्ष पद पर महिलाओं की भागीदारी

महापौर और अध्यक्ष पद के लिए कुल 674 नामांकन हुए हैं। इनमें से 283 नामांकन महिलाओं द्वारा किए

गए हैं। यह संख्या लगभग 41.98 प्रतिशत है। इससे साफ है कि महिलाएं बड़े पदों पर भी अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं।

वार्ड पार्षद पद पर महिलाओं की मजबूत मौजूदगी

वार्ड पार्षद पद के लिए कुल 6,305 नामांकन दाखिल हुए हैं। इनमें 3,179 महिलाओं ने पर्चा भरा है। यह कुल नामांकन का लगभग 50.42 प्रतिशत है। स्थानीय स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी साफ नजर आ रही है।

गुरुवार को होगी नामांकन पत्रों की जांच

राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को सभी नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इस दौरान दस्तावेजों और पात्रता की जांच होगी। गलत या अधूरे नामांकन रद्द किए जा सकते हैं।

छह फरवरी तक नाम वापसी का मौका

जो प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं, वे छह फरवरी तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। इसके बाद ही अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी।

सात फरवरी को मिलेगा चुनाव चिह्न

सात फरवरी को योग्य प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। इसके बाद सभी उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार अभियान शुरू करेंगे।

चुनावी माहौल हुआ तेज

नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी नगर निगम क्षेत्रों में चुनावी माहौल तेज हो गया है। प्रत्याशी जनता से संपर्क कर समर्थन जुटाने में जुट गए हैं। आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार और भी तेज होने की उम्मीद है।

दुनिया के 9 बड़े देशों के साथ हुई ट्रेड डील

- राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोले पीएम मोदी
- विपक्ष ने भारी नारेबाजी के बाद किया वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। पीएम मोदी ने भाषण की शुरुआत में पीएम मोदी ने विकसित भारत की यात्रा का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रपति के भाषण में देश के विकास का स्वर संसद में गूंजा है। उन्होंने कहा कि देश का समर्थ कैसे आगे बढ़ रहे हैं इसकी चर्चा राष्ट्रपति के भाषण में हुई है। उन्होंने कहा कि 21वी सदी का पहला क्वार्टर पूरा हो चुकी है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत की निर्माण की दिशा में दूसरा क्वार्टर भी उतना ही सामर्थवान होने वाला है।

चुनौतियों का समाधान देने वाला देश– पीएम मोदी ने कहा कि शक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। भारत आज विश्व में चुनौतियों का समाधान देने वाले देश और आशा की किरण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हम समाधान दे रहे हैं।

मेरे साथ था तो ठीक था, बाद में गड़बड़ी से पैसा कमाने लगा

- विधानसभा में विपक्षी नेता तेजस्वी यादव पर बरसे नीतिश कुमार

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतिश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। अपने संबोधन के दौरान नीतिश कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाया। सीएम और नेता प्रतिपक्ष के बीच कई बार तीखी नोकझोंक हुई। तेजस्वी यादव पर मुख्यमंत्री कहा कि मेरे साथ था तो ठीक था। लेकिन बाद में गड़बड़ करने लगा और पैसा कमाने लगा तो छोड़ दिए। सीएम ने यहां तक कहा कि जब पद मिला तो पैसा कमाता था। दरअसल सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि 2005 से पहले जब उन लोगों की सरकार थी तो कोई काम नहीं हुआ। लोग शाम को घरों से नहीं निकलते थे। स्कूल, अस्पताल, सड़क, पानी, बिजली सबका बुरा हाल था। हमारी सरकार आई तो सभी क्षेत्रों में सुधार हुआ। विपक्ष की ओर से इस पर शोर शराबा शुरू हुआ तो मुख्यमंत्री नेता प्रतिपक्ष पर भड़क गए। कहने लगे कि तुम्हारा पिता सात साल में हट गया। जब हटा तो तुम्हारी माता जी को बना दिया। तुमको हम बनाए। जब पद मिला तो पहले ठीक था। बाद में गड़बड़ करने लगा। सब जगह पैसा कमाने लगा तो फिर छोड़ दिए। सीएम के भाषण पर सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने तालियां बजाईं और मेज पीटकर अपनी भावना प्रकट किया। तेजस्वी यादव समेत राजद और विपक्ष के विधायक भी हंसते नजर आए। नीतिश कुमार ने कहा कि राज्य में गांवों और टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम पूरा हो गया। हर घर नल का जल और हर घर शौचालय का भी काम हुआ। लोगों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है।

- रैंक सुधारने का मौका सिर्फ एक बार, नए नियम 2026 से लागू

सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन बुधवार को जारी किया है। आयोग ने इस बार 933 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया है। आवेदन की आखिरी तारीख 24 फरवरी है। परीक्षा केंद्र में फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही एंट्री दी जाएगी। इस बार प्रयास और पात्रता से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया गया है। इसके मुताबिक अब सिलेक्शन के बाद दोबारा परीक्षा देने की आजादी पहले जैसी नहीं रहेगी। नए प्रावधानों में सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद कर दिया गया है। वहीं, बाकी के पुराने नियम जस के तस रखे गए हैं। चयनित अफसर को एक बार परफॉर्मेंस बेहतर करने का मौका मिलेगा। जैसे किसी का 2026 में सिलेक्शन हुआ तो वह 2027 में परफॉर्मेंस बेहतर करने की परीक्षा देने का पात्र होगा। उसके बाद अगर वह परीक्षा देना चाहता है तो उसे सेवा से इस्तीफा देना होगा। पहले से आईपीएस में चयनित दोबारा आईपीएस नहीं पा सकेंगे।

हर साल 10 लाख से ज्यादा एस्पिरेंट्स परीक्षा देते हैं

2025 में करीब 10 लाख से ज्यादा एस्पिरेंट्स ने एप्लिकेशन भरा था। जिनमें से 14,161 एस्पिरेंट्स प्रीलिम्स पास कर मेन्स तक पहुंचे। 2,736 को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया, जबकि 979 पदों के लिए फाइनल सिलेक्शन हुआ। इससे पहले 2024 मे लगभग 13 लाख से ज्यादा आवेदन आए और करीब 5.8 लाख प्रीलिम्स में शामिल हुए। 1,009 पदों पर सिलेक्शन हुआ। इसी तरह 2023 में करीब 13 लाख एप्लिकेशन आए और 1016 पदों पर फाइनल सिलेक्शन हुआ। लोकसभा में बुधवार को पूछा गया कि क्या लद्दाख के उम्मीदवारों को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में भारतीय भाषा के क्वालिफाइंग पेपर (पेपर1) से छूट देने का कोई प्रस्ताव है। इस पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जबाव दिया कि सिविल सेवा परीक्षा के नियम समय के साथ बदलते रहते हैं। सभी उम्मीदवारों के लिए बराबर मौका मिलेगा।

वैष्णो देवी पर रोपवे बनाने का विरोध फिर से तेज

- घोड़े-पिट्ठू वालों की मांग, हर मजदूर को मिले 20 लाख रुपए मुआवजा

कटरा (एजेंसी)। रोपवे परियोजना को लेकर एक बार फिर कटड़ा में माहौल गरमा गया है। स्थानीय संगठनों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आंदोलन तेज करने से पीछे नहीं हटेंगे। बुधवार को पिट्ठू, घोड़ा, पालकी यूनियन के अध्यक्ष, माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के सदस्य तथा विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने रोपवे परियोजना को लेकर गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों से मुलाकात की। संगठनों ने परियोजना का विरोध किया।

- **हजारों परिवारों की रोजी-रोटी पर खतरा**–इससे आस्था को ठेस पहुंचेगी। माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के सदस्यों ने कमेटी से स्पष्ट कहा कि रोपवे परियोजना से कटड़ा और आसपास के क्षेत्रों में हजारों परिवारों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ेगा। पिट्ठू, घोड़ा और पालकी सेवाएं केवल रोजगार का साधन नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों से चले आ रहे पारंपरिक कार्य हैं, जिनसे स्थानीय लोग अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। यदि रोपवे लगाया गया तो इन सेवाओं की मांग कम हो जाएगी।

जल्द ही बुलेट ट्रेनों के निर्माण में आत्मनिर्भर होगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में कहा कि भारत जल्द ही बुलेट ट्रेनों के निर्माण में 100 फीसदी आत्मनिर्भर होगा। उन्होंने कहा कि नए बजट में घोषित सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में स्वदेशी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा और भारत के पास जल्द ही अपनी बुलेट ट्रेन होगी। यह बातें मंत्री ने एक इंटरव्यू में कहीं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे ने हाई-स्पीड रेल प्रणालियों की जटिलताओं को पूरी तरह से समझ लिया है और उन्हें लागू करने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भूमि अधिग्रहण इस परियोजना के लिए मुख्य चुनौतियों में से एक होगा और सभी राज्यों को इसका समर्थन करना चाहिए क्योंकि यही लोगों का हक और इच्छा है। बुलेट ट्रेन परियोजना के अगले चरण के लिए सात गलियारों को चुनने के पीछे क्या तर्क था। इस सवाल के जवाब में अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हाई-स्पीड रेल एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगी।

संक्षिप्त समाचार

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, 14 वर्षीय किशोर की मौत

बरही (हजारीबाग), एजेंसी। चौपारण थाना अंतर्गत चपरी गांव स्थित ग्रामीण सड़क पर बुधवार को एक कार डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में पांडेवारा गांव भुइयां टोला निवासी पूजन भुइयां के 14 वर्षीय पुत्र राजा बाबू भुइयां की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि कार में कुल तीन लोग सवार थे, जिनमें टिंकू कुमार भुइयां और विकास भुइयां को मामूली चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद राजा बाबू भुइयां को परिजनों द्वारा बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही बरही थाना पुलिस अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर मृतक के माता-पिता व छोटे भाई समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गोड्डा में घर से चल रहा था गांजे का कारोबार, सगे भाइयों को पुलिस ने रंगेहाथ दबोचा

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मेहरमा थाना क्षेत्र के अमजोरा पिरोजपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर डेढ़ लाख रुपए मूल्य के अवैध गांजे के साथ दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 2 फरवरी को गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार को सूचना मिली थी कि ग्राम अमजोरा पिरोजपुर निवासी कमल कुमार उर्फ कोको साह और राजेश कुमार, दोनों स्वर्गीय नंदकिशोर साह के पुत्र, अपने घर से ही गांजे की खरीद-बिक्री का अवैध धंधा चला रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने सूचना का सत्यापन करते हुए अमजोरा पिरोजपुर स्थित दोनों आरोपियों के घर पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी घबराने लगे, लेकिन टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पाया कि दोनों भाई घर के अंदर पलंग पर बैठकर गांजे की पुड़िया बना रहे थे। पुलिस ने मौके से 8 ।940 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से घर से ही गांजे का कारोबार कर रहे थे और आसपास के इलाकों में इसकी सप्लाई की जाती थी। पुलिस ने गांजे के साथ-साथ उसके कारोबार में इस्तेमाल होने वाले कई सामान भी जब्त किए हैं। बरामद सामग्री में मोटोरोला कंपनी का एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन, चार नापतौल मशीन, एक हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल, छोटे पैकेट बनाने के लिए काले रंग का प्लास्टिक, परफेक्ट कंपनी के एक डिब्बे में बंद रोल और 23 खुले रोल, एक भूरे रंग का सेलो टेप और एक सफेद रंग का सेलो टेप शामिल है। इस संबंध में मेहरमा थाना में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में अवैध गांजे के साथ पूरा नेटवर्क सामने आया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया जाता था और किन-किन लोगों तक इसकी आपूर्ति की जाती थी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

गुमला में किसान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरकुंडा कोलांबी गांव में 35 वर्षीय नवीन कुमार ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना देर रात की बताई जा रही है। बुधवार दोपहर सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार नवीन आम दिनों की तरह मंगलवार को घर पर ही था, लेकिन रात में अचानक उसने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। मृतक के रिश्ते के भाई नायमन खड़िया ने बताया कि नवीन कुमार की मानसिक स्थिति पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। वह अक्सर चुपचाप रहता था और किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करता था। मंगलवार रात उसने घर के अन्य सदस्यों से अलग अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। देर रात तक जब वह बाहर नहीं निकला, तो उसकी पत्नी को शक हुआ। पत्नी ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद सभी ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा, तो देखा कि नवीन रस्सी के सहारे फांसी पर लटका हुआ था। नवीन कुमार के परिवार में उसकी बूढ़ी मां, पत्नी और एक आठ साल का मासूम बच्चा है। वह परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था और खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। लोगों का कहना है कि नवीन मेहनती और शांत स्वभाव का व्यक्ति था।

नगर निकाय चुनाव का नामांकन खत्म

अंतिम दिन कई प्रत्याशियों ने भरा पर्चा, समर्थन में पहुंचे दिग्गज

पाकुड़, एजेंसी। खूंटी नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए रानी टूटी ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया. नामांकन के दौरान राजनीतिक माहौल पूरी तरह उत्साहपूर्ण नजर आया. इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन मुंडा, पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, कोचे मुंडा, जिलाध्यक्ष आनंद राम सहित दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। नामांकन के बाद प्रत्याशी रानी टूटी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह वर्ष 2013 से 2018 तक नगर पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं। उनके कार्यकाल में खूंटी बस स्टैंड और जलापूर्ति पाइपलाइन योजना पर काम शुरू हुआ था, लेकिन दुर्भाग्यवश कई योजनाएं अधूरी रह गईं। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में स्वच्छता की स्थिति बेहद खराब है और यदि जनता उन्हें फिर से मौका देती है तो अधूरे विकास कार्यों को पूरा करना और स्वच्छता व्यवस्था को सुधारना उनकी प्राथमिकता होगी।

वहीं रानी टूटी के समर्थन में खूंटी पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि रानी टूटी एक शिक्षिका होने के साथ-साथ एक अच्छी समाजसेवी भी हैं। उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल में जिम्मेदारी के साथ काम किया है और जनता के बीच उनकी अच्छी छवि है। अर्जुन मुंडा ने विश्वास जताया कि इस बार भी जनता का आशीर्वाद रानी टूटी को मिलेगा। नामांकन कार्यक्रम के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखा गया। ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच रानी टूटी के समर्थन में शक्ति प्रदर्शन भी किया गया। अब नगर पंचायत अध्यक्ष पद का चुनाव और भी रोचक होता नजर आ रहा है।

इधर, जमशेदपुर में जुगसलाई नगर परिषद में होने वाले चुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन अध्यक्ष पद के लिए महिला प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। जुगसलाई के समाजसेवी गुड्डू सिंह की पत्नी रिंकू सिंह ने नामांकन किया है। रिंकू सिंह एनडीए समर्थित प्रत्याशी हैं। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में रिंकू सिंह ने कहा कि जुगसलाई में जमशेदपुर शहर की तर्ज पर जुस्को से पानी और बिजली की व्यवस्था करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। साथ

ही उन्होंने कहा कि शिक्षा की ऐसी व्यवस्था करेंगे जिससे यहां कि छात्राओं को क्षेत्र से बाहर न जाना पड़े। महिलाओं की सुरक्षा भी उनकी प्राथमिकता है। वहीं जुगसलाई के समाजसेवी सरदार शैलेंद्र सिंह की पत्नी बलवीर कौर ने भी नामांकन पर्चा भरा है। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मेरे पति द्वारा पिछले कई वर्षों से जो समाजसेवा के कार्य किए जा रहे हैं उसे देखते हुए जनता उन्हें समर्थन देगी।

वहीं समाजसेवी मानिक मल्लिक की पत्नी डॉली मल्लिक ने भी नामांकन पर्चा दाखिल किया। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र मेरे लिए नया नहीं है। यहां की हर समस्याओं से अवगत हूं। जीत के बाद सभी समस्याओं को सुलझाने का पूरा प्रयास करूंगी। वहीं लातेहार में नगर निकाय चुनाव दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। नामांकन की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त हो गई। इस बार भले ही झारखंड में नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर नहीं हो रहा हो, लेकिन विभिन्न पार्टियों के समर्थित उम्मीदवारों ने नामांकन किया। हालांकि इस दौरान गठबंधन धर्म को दरकिनार किए जाने की चर्चा जोर-शोर से हो रही है। बात चाहे एनडीए की हो या इंडिया गठबंधन की। दोनों दलों के मुख्य राजनीतिक पार्टियां विपक्षी दलों के साथ-साथ अपने मित्र दलों के प्रत्याशियों के खिलाफ चुनावी समर में ताल ठोक रहे हैं। यहां एनडीए की ओर से भाजपा और आजसू ने अपने-अपने समर्थित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। जबकि इंडिया गठबंधन की ओर से झामुमो और राजद के समर्थित प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतर चुके हैं।

दरअसल, झारखंड नगर निकाय का चुनाव दलगत आधार पर नहीं है। इस कारण उच्च स्तर पर राजनीतिक दलों में गठबंधन की कोई बातचीत भी नहीं हुई। इधर, हाई कमान से किसी प्रकार का कोई दिशा निर्देश प्राप्त नहीं होने के कारण सभी दल अपने-अपने समर्थित उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार दिए हैं। लातेहार नगर पंचायत का इलाका है। यहां अध्यक्ष और वार्ड पार्षद के लिए चुनाव होना है। राजनीतिक दलों ने अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को प्रत्यक्ष रूप से अपना अपना समर्थन दे दिया है। जबकि वार्ड पार्षदों को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दिया जा रहा है।

भाजपा, झामुमो, आजसू और राष्ट्रीय जनता दल ने अपने-अपने समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है । जबकि कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दल के लोग अभी भी वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं। विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं की मानें तो समर्थित प्रत्याशी के चुनावी मैदान में होने से कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में गठबंधन धर्म का पालन करना पड़ता है। यदि नगर निकाय अथवा पंचायत चुनाव में अपने दल के समर्थित प्रत्याशी को मैदान में नहीं उतारा जाए तो कार्यकर्ताओं का मनोबल कम होता है। यहां बताते चलें कि अपने-अपने समर्थित प्रत्याशियों के साथ राजनीतिक दल के बड़े नेता और कार्यकर्ता नामांकन जुलूस में शामिल हुए। इनमें भारतीय जनता पार्टी की ओर से भाजपा नेता महेश सिंह को समर्थन दिया गया है। जबकि झामुमो ने बिलासी टोपनो को समर्थन दिया है। इसी प्रकार आजसू ने सेलेस्टिन कुजूर को समर्थन दिया है। राष्ट्रीय जनता दल ने मिलियानी कुजूर को समर्थन दिया है। अन्य प्रत्याशी भगतु नगेसिया, सूर्यदेव भगत, आशा देवी और नीना तिर्की भी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है।

लातेहार में कार से 40.20 लाख रुपए नकद, नगर पंचायत चुनाव को लेकर सख्ती

लातेहार, एजेंसी। नगर पंचायत चुनाव को लेकर जिले में चलाए जा रहे सघन वाहन चेकिंग अभियान के दौरान लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने जांच के दौरान एक स्विफ्ट कार से 40 लाख 20 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। यह कार्रवाई करकट स्थित चेक नाका के पास की गई, जहां रांची से आ रही कार को जांच के लिए रोका गया था। बताया गया कि कार लातेहार होते हुए बिहार राज्य की ओर जा रही थी। भारी मात्रा में नकदी मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, वहीं चुनावी माहौल में इस बरामदगी ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में चल रहे नियमित वाहन जांच अभियान के क्रम में संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोका गया। जब वाहन की तलाशी ली गई तो कार के अंदर से कुल 40 लाख 20 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। इतनी बड़ी राशि को लेकर तुरंत वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद आयकर विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और नकदी से संबंधित दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी गई। पुलिस और आयकर विभाग संयुक्त रूप से यह पता लगाने में जुटे हैं कि इतनी बड़ी रकम किस उद्देश्य से और कहां ले जाई जा रही थी।

एसपी कुमार गौरव ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बरामद नकदी का स्रोत क्या है और इसका इस्तेमाल किस लिए किया जाना था। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत चुनाव को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। अवैध धन के इस्तेमाल की आशंका को लेकर लगातार वाहन जांच और निगरानी की जा रही है। प्रारंभिक जांच में कार सवारों से पूछताछ की जा रही है और उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस बड़ी बरामदगी के बाद नगर पंचायत क्षेत्र समेत पूरे जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। चुनावी समय में इतनी बड़ी नकदी मिलने से प्रशासनिक सख्ती और सतर्कता साफ झलकती है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। आने वाले दिनों में वाहन जांच और तेज की जाएगी। प्रशासन ने साफ संकेत दिया है कि चुनाव के दौरान अवैध धन के इस्तेमाल को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चाईबासा की युवती का अश्लील वीडियो बनाया

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक युवती का अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान बिहार के सीतामढ़ी निवासी 26 वर्षीय मुकेश सिंह के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मुकेश सिंह एक निजी कंपनी में तमिलनाडु में काम करता था। उसी कंपनी में पीड़िता भी कार्यरत थी। काम के दौरान दोनों के बीच पहचान हुई, जो धीरे-धीरे दोस्ती में बदली और फिर प्रेम संबंध में बदल गई। आरोपी ने पीड़िता को शादी का भरोसा दिलाकर उसका विश्वास जीत लिया और रिश्ते को आगे बढ़ाया।

पुलिस के अनुसार, शादी का झांसा देकर आरोपी ने पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान उसने चोरी-छिपे युवती का अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। कुछ समय बाद आरोपी का व्यवहार बदल गया और वह वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा।

आरोपी लगातार वीडियो सार्वजनिक करने की बात कहकर पीड़िता पर मानसिक दबाव बनाता रहा और उसका शोषण करता रहा। जब पीड़िता ने शादी को लेकर गंभीरता से बात की तो आरोपी ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद वह चाईबासा पहुंच गया और पीड़िता को अश्लील वीडियो दिखाकर अपने साथ ले जाने का दबाव बनाने लगा।

आरोपी के इनकार और लगातार धमकियों से परेशान होकर पीड़िता ने आखिरकार चाईबासा मुफस्सिल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर पुलिस ने आरोपी मुकेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

अस्पताल में संक्रमित रक्त बना जानलेवा, पांच नाबालिग बच्चों में एचआईवी संक्रमित होने पर हाईकोर्ट सख्त

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने चाईबासा सदर अस्पताल में वर्ष 2025 के दौरान संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने से पांच नाबालिग थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के एचआईवी संक्रमित होने के मामले में बड़ा आदेश दिया है। न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की एकल पीठ ने इस गंभीर मामले में तत्काल प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया है।

बच्चों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि मामले में अविलंब एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि दर्ज की गई एफआईआर की प्रति शिकायतकर्ताओं को उपलब्ध कराई जाए और उसकी एक प्रति प्रतिवाद पत्र (काउंटर एफिडेविट) के साथ न्यायालय में प्रस्तुत की जाए।

अदालत ने इस मामले को अत्यंत संवेदनशील और गंभीर बताते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी लापरवाही को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

जमशेदपुर में चापड़ से हमला, युवक गंभीर, चोरी के विवाद में चापड़ से वार, एमजीएम अस्पताल में भर्ती

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के साकची थाना क्षेत्र में चापड़ से हमले की सनसनीखेज घटना सामने आई है। काशीडीह लाइन नंबर-1 निवासी प्रेम पासवान (21) पर उसके ही पड़ोसी राहुल पासवान ने अपने साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में प्रेम गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार युवक की हालत नाजुक बनी हुई है।

घायल प्रेम के मामा बबन पासवान ने बताया कि बुधवार देर शाम प्रेम की मां का मोबाइल चार्जर और 6 से 7 हजार रुपए नकद चोरी हो गए थे। इस मामले में संदेह पड़ोसी राहुल पासवान पर जताया गया। इसी बात को लेकर प्रेम और राहुल के बीच कहासुनी हुई थी। आरोप है कि प्रेम ने राहुल को गाली दी, जिससे वह आगबबूला हो गया।

परिजनों के मुताबिक, गुरुवार तड़के राहुल अपने कुछ साथियों के साथ प्रेम के घर के पास पहुंचा और चापड़ से उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से इलाके में अफरा-तफरी

मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। गंभीर रूप से घायल प्रेम को पहले स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार दिया गया, इसके बाद एमजीएम अस्पताल रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही साकची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने परिजनों का बयान दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान के आधार पर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जमशेदपुर शहर में बीते कुछ समय से चापड़ से हमले की घटनाओं में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हिंसक वारदातें सामने आ रही हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और ऐसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

लोक भवन उद्यान में उमड़ा जनसैलाब, तीसरे दिन 12,711 आम लोगों ने किया भ्रमण

रांची, एजेंसी। राज्यपाल के निर्देश पर लोक भवन उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण के लिए 2 फरवरी से 8 फरवरी, 2026 तक खोला गया है। उद्यान के खुलने के बाद से ही आमजन में इसे देखने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में आज तीसरे दिन कुल 12,711 नागरिकों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया।

सुबह से ही लोक भवन परिसर में लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। परिवार, बच्चे, बुजुर्ग एवं युवा बड़ी संख्या में उद्यान की हरियाली, सुव्यवस्थित पथों, फूलों की आकर्षक क्यारियों और शांत वातावरण का आनंद लेते नजर आए। कई आगंतुकों ने उद्यान को प्राकृतिक सौंदर्य और स्वच्छता का बेहतरीन उदाहरण बताया।

लोक भवन उद्यान का भ्रमण समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है। भ्रमण के लिए इच्छुक नागरिक लोक भवन के गेट संख्या-2 से प्रवेश कर सकते हैं, जहां सुरक्षा जांच की समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षा कारणों से आगंतुकों को 1 बजे तक प्रवेश करने की अनुमति दी जा रही है, ताकि सभी लोग निर्धारित समय के भीतर आराम से उद्यान का भ्रमण कर सकें।

प्रशासन की ओर से आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त पुलिस बल, स्वयंसेवक तथा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे उद्यान परिसर में स्वच्छता बनाए रखें, पौधों और संरचनाओं को नुकसान न पहुंचाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

लोक भवन उद्यान का यह भ्रमण कार्यक्रम न केवल आम नागरिकों को प्रकृति के करीब आने का अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि राज्य की प्रशासनिक विरासत और सौंदर्य से भी उन्हें परिचित करा रहा है।

हजारीबाग नगर निकाय चुनाव में महिलाओं की मजबूत दस्तक

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग नगर निकाय चुनाव 2026 में इस बार महिलाओं की भागीदारी खास चर्चा का विषय बनी हुई है। राज्य सरकार की ओर से नगर निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए वार्ड आरक्षित किए जाने का असर अब जमीनी स्तर पर साफ नजर आने लगा है।

हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के कुल 36 वार्डों में से 17 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इसका नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में महिलाएं न केवल चुनावी प्रक्रिया से जुड़ रही हैं, बल्कि प्रत्याशी के रूप में भी खुलकर सामने आ रही हैं। अब तक सभी वार्डों को मिलाकर 50 से अधिक महिला उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर चुकी हैं, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड माना जा रहा है।

इस बार चुनावी मैदान में उतरी अधिकांश महिला उम्मीदवार पढ़ी-लिखी, जागरूक और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई हैं। वे

केवल नाम मात्र की प्रत्याशी नहीं, बल्कि अपने वार्ड के विकास को लेकर स्पष्ट सोच और एजेंडा के साथ मैदान में उतरी हैं। महिलाओं का कहना है कि अब समय बदल चुका है और राजनीति केवल पुरुषों का क्षेत्र नहीं रह गया है। वे नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कई महिलाएं पहली बार चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन उनके आत्मविश्वास और तैयारी ने चुनावी माहौल को नया रंग दे दिया है।

महिलाओं के लिए आरक्षित वार्डों में शामिल वार्ड संख्या 32 से नामांकन दाखिल करने वाली प्रत्याशी मिताली रश्मि प्रधान ने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम है। इससे महिलाओं को आगे बढ़ने और अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि महिलाएं अब घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। मिताली रश्मि प्रधान ने भरोसा जताया कि यदि जनता ने मौका दिया, तो वे वार्ड के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

महिला प्रत्याशियों का कहना है कि वे अपने-अपने वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। स्वच्छता, पेयजल, सड़क, शिक्षा और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को वे प्रमुखता से उठाएंगी। नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया आज समाप्त हो रही है, जिसके बाद चुनाव प्रचार तेज हो जाएगा।

मतदान 23 फरवरी को कराया जाएगा, जबकि मतगणना के बाद 27 फरवरी को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। कुल मिलाकर, हजारीबाग नगर निकाय चुनाव 2026 महिलाओं के सशक्तिकरण की मजबूत तस्वीर पेश कर रहा है, जहां महिलाएं न केवल भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि नेतृत्व के लिए भी पूरी तरह तैयार नजर आ रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद के डीसी-एसपी ने डिस्पैच और रिसीविंग सेंटर का किया निरीक्षण

रांची, एजेंसी। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को लेकर धनबाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और त्रुटिरहित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार 02 फरवरी 2026 को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने विभिन्न चुनावी केंद्रों का निरीक्षण किया। प्रशासन की ओर से यह निरीक्षण चुनावी तैयारियों की अंतिम समीक्षा के तौर पर किया गया। उपायुक्त और एसएसपी ने बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। यहां मतदान कर्मियों के लिए तैयार की गई व्यवस्थाओं, सामग्री वितरण प्रणाली और सुरक्षा इंतजामों की गहन जांच की गई। इसके बाद धनबाद पॉलिटेक्निक स्थित रिसीविंग सेंटर पहुंचकर मतगणना के बाद ईवीएम और चुनाव सामग्री जमा कराने की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने टाउन हॉल के सामने विवाह भवन स्थित मटेरियल सेल का भी निरीक्षण किया। यहां चुनाव से जुड़ी सामग्री के भंडारण, आवंटन और रिकॉर्ड संधारण की व्यवस्था की जांच की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी सामग्री समय पर और सही तरीके से मतदान दलों तक पहुंचे, इसमें किसी तरह की लापरवाही न हो। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन ने कार्य में लगे पदाधिकारियों और कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित प्रत्येक गतिविधि की सतत और बारीकी से निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर छोटी सी भी चूक पूरे चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ काम करें। उपायुक्त ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग, झारखंड द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित कोषांगों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। समयबद्ध तरीके से कार्य निष्पादन और स्पष्ट जिम्मेदारी तय करने पर विशेष जोर दिया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि मतदान और उससे जुड़े सभी चरणों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाएगी। संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, एसडीएम लोकेश बारंगे, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी समेत कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर पर चुनावी तैयारियों की जानकारी साझा की और आवश्यक निर्देश प्राप्त किए।

चतरा में जिला आयुष पदाधिकारी गिरफ्तार, महिला चिकित्सक से रिश्वत मांगने का आरोप

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला आयुष पदाधिकारी राम प्रकाश वर्मा को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई हजारीबाग एसीबी की टीम ने चतरा स्थित जिला आयुष कार्यालय में की। आरोपी अधिकारी पर अपने ही विभाग में कार्यरत महिला आयुष चिकित्सक से विभागीय कार्य के निष्पादन के बदले अवैध राशि की मांग करने का आरोप है। गिरफ्तारी की खबर फैलते ही स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य सरकारी कार्यालयों में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा। एसीबी की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि शिकायतकर्ता कोई आम नागरिक नहीं, बल्कि विभाग की ही चिकित्सक हैं। एसीबी के अनुसार, टंडवा में पदस्थापित आयुष चिकित्सक डॉ। प्रिया कुमारी से जिला आयुष पदाधिकारी राम प्रकाश वर्मा लगातार विभागीय कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए रिश्वत की मांग कर रहे थे। इससे परेशान होकर डॉ। प्रिया कुमारी ने हजारीबाग एसीबी कार्यालय में इसकी लिखित शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी एसपी आरिफ एकराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने पूरे मामले का गुप्त रूप से सत्यापन किया। जांच के दौरान शिकायत सही पाए जाने पर एसीबी ने आरोपी अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई। योजना के तहत चिकित्सक को तय रकम लेकर अधिकारी के पास भेजा गया। निर्धारित योजना के अनुसार जैसे ही डॉ। प्रिया कुमारी ने कार्यालय में राम प्रकाश वर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत दी, पहले से मौजूद एसीबी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने रिश्वत की पूरी रकम मौके से बरामद कर ली। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी अधिकारी को अपने साथ हजारीबाग ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस मामले में विभाग के अन्य अधिकारी या कर्मचारी भी शामिल हैं या नहीं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी का अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झामुमो का 54वां स्थापना दिवस

सीएम हेमंत ने गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

धनबाद, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गोल्फ ग्राउंड में झामुमो के 54वें स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लिया। मंत्री सुदिव्य सोनू और हफीजुल हसन के साथ-साथ अन्य कई व्यक्ति भी मंच पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शहीदों की याद में बने स्मारक पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मंच पर रखी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मंच से मंत्रियों ने मांग की कि गुरुजी को भारत रत्न दिया जाए।

समारोह में दूर-दराज के आदिवासी बहुल इलाकों से बड़ी संख्या में लोग समारोह में शामिल हुए। पंडाल के बाहर भी भीड़ जमा थी। यह पहली बार था कि गुरुजी मंच पर मौजूद नहीं थे; उनकी जगह उनकी तस्वीर रखी थी। मुख्यमंत्री और अन्य लोगों ने मंच से गुरुजी के आंदोलन और उनके संघर्षों की कहानी बताई। मुख्यमंत्री ने मंच से बीजेपी पर हमला बोला और असम के आदिवासियों की दुर्दशा के बारे में भी बात की। उन्होंने कोयला खनन में लगी आउटसोर्सिंग कंपनियों में स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत रोज़गार सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि अगर आउटसोर्सिंग कंपनियां रोजगार नहीं देती हैं, तो उन्हें उन कंपनियों पर कब्जा कर लेना चाहिए।

उन्होंने मंच से सभी को 'जोहार' कहकर अभिवादन किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आदिवासी शब्द 'जोहार' को हर जगह समर्थन मिल रहा है। अपने लंदन दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड के उनके भाइयों ने उन्हें 'जोहार' कहकर अभिवादन किया।

उन्होंने कहा कि पहले उनका कार्यक्रम शाम को होता था, लेकिन नगर निकाय चुनावों के लिए आचार संहिता के कारण इस साल का समारोह दिन में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें शाम के बाद माइक्रोफोन इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें धूप, गर्मी या ठंड से कोई फर्क नहीं पड़ता। वे अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए हमेशा मजदूरों के साथ खड़े रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक जगह है जहां से मार्गदर्शक नेताओं ने ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं। हमारे नेताओं ने उपलब्धियों की लंबी लकीरें खींची हैं। अलग राज्य की घोषणा, साथ ही जल, जंगल और जमीन के मुद्दे, इसी मैदान से किए गए थे। कई नेता और नायक अब हमारे साथ नहीं हैं। मार्गदर्शक नेताओं के उस समूह में एक व्यक्ति ऐसा है जिसकी पहचान न केवल राज्य में बल्कि देश में भी अलग है। गुरुजी, जिन्होंने आदिवासियों, मूल निवासियों और दलितों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी, आज हमारे बीच नहीं हैं। गुरुजी की कमी सिर्फ झामुमो पार्टी के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के लिए एक दुख की बात है। यह दिन, उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ राज्य के विकास पर सोचने का भी दिन है। इस मैदान में स्थापना दिवस मनाना खास अहमियत रखता है; यह एक अलग पहचान बनाता है।

धनबाद में कई नायकों का जन्म हुआ। उन्होंने गरीबों और मूल निवासियों की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। झारखंड में ऐसे बहादुर शहीद हुए हैं जिन्होंने भूख-प्यास सहकर आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उनका साथ हमें एक अनोखी पहचान देता है।

उन्होंने कहा कि मूलवासियों और आदिवासियों के साथ-साथ जो लोग राज्य के बाहर से आए हैं, वे भी गर्व से खुद को झारखंडी कहते हैं। इन लोगों का पालन-पोषण यहीं हुआ और वे ऊंचे पदों पर पहुंचे। सिर्फ व्यक्ति ही नहीं, बल्कि झारखंड ने देश चलाने में भी अहम योगदान दिया है। यह भी सच है कि यहां के लोगों ने अत्याचार, गरीबी और अशिक्षा का सामना किया है।

हमारे मार्गदर्शक, गुरुजी ने अलग राज्य के लिए बिगुल फूंका था। उन्होंने झारखंड के आदिवासी और मूल निवासियों के विकास के लिए लड़ने का नारा दिया। झारखंड आंदोलन में कितने लोग शहीद हुए, कितनी महिलाओं ने अपने पति खोए, कितने बच्चे अनाथ हो गए।

चाईबासा में बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या, 12 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

चाईबासा, एजेंसी। जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के हुसूपी गांव में अंधविश्वास ने एक बार फिर एक बुजुर्ग महिला की जान ले ली। डायन-बिसाही के आरोप में 57 वर्षीय महिला पवदनी सुरीन की भीड़ ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ लोगों को संदेह था कि महिला जादू-टोना करती है और इसी कारण गांव में बीमारियां फैल रही हैं। इसी शक के आधार पर एक समूह ने उनके घर में घुसकर उन पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

हमले के दौरान महिला चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन डर के कारण कोई भी उन्हें बचाने सामने नहीं आया। बाद में परिजनों और पड़ोसियों ने उन्हें अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम में उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। घटना के 12 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। टोंटो थाना पुलिस जांच की बात कह रही है। इस हत्याकांड के बाद हुसूपी गांव में भय का माहौल है। कई परिवार अपने घरों में सहमे हुए हैं, खासकर बुजुर्ग महिलाएं, जिन्हें भी इसी तरह निशाना बनाए जाने का डर सता रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में अंधविश्वास के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की अपील की गई है।

गिरिडीह में स्कूल वैन पलटी, तीन बच्चे घायल, बिना फिटनेस-इंश्योरेंस चल रही थी वैन

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के तिसरी थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब उज्ज्वल पब्लिक स्कूल की एक वैन सड़क हादसे का शिकार हो गई। बुटवरिया से बच्चों को लेकर स्कूल जा रही वैन नवनिर्मित पीसीसी सड़क के मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई।

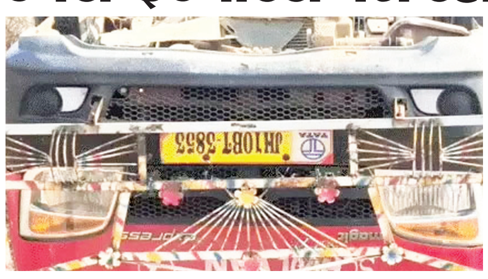

हादसे के समय वैन में करीब 10 बच्चे सवार थे। वैन पलटते ही बच्चों के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े। स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दुर्घटना में तीन बच्चों को हल्की चोटें आईं, जबकि अन्य बच्चे बाल-बाल बच गए। हादसे में बुटवरिया निवासी 12 वर्षीय मुस्कान कुमारी (पिता गणेश पासवान), 8 वर्षीय बिपिन सिंह (पिता शारदा सिंह) और 10 वर्षीय मरिता बेसरा घायल हो गए। ग्रामीणों और परिजनों की मदद से तीनों बच्चों को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिसरी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चों की हालत खतरे से बाहर है। इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। परिजनों ने बताया कि वैन चालक तेज गति से वाहन चला रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले भी चालक को कई बार सावधानी से वाहन चलाने की हिदायत दी गई थी, लेकिन वह अक्सर तेज रफ्तार में ही गाड़ी चलाता था, जिसका नतीजा यह हादसा बनकर सामने आया।

हादसे के बाद ग्रामीणों ने सड़क किनारे गड्ढे नहीं भरे जाने और चालक के कथित तौर पर अप्रशिक्षित होने का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस है या नहीं, इसकी भी जांच होनी चाहिए। एम-परिवहन पोर्टल पर वाहन संख्या जेएच10बीटी3853 की जानकारी खंगालने पर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, इस स्कूल वैन का फिटनेस प्रमाणपत्र 28 मार्च 2021 को ही समाप्त हो चुका है, जबकि वाहन का बीमा 25 मार्च 2020 को खत्म हो गया था।

इसके बावजूद यह वाहन बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने में इस्तेमाल किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि संबंधित निजी विद्यालय पूर्व में भी विवादों में रहा है, जब एक छात्र के साथ शिक्षक द्वारा मारपीट के मामले में विभागीय जांच हुई थी। इस घटना ने एक बार फिर निजी स्कूलों की मनमानी, प्रशासनिक लापरवाही और विभागीय निगरानी की पोल खोल दी है।

झारखंड में बिहार के शख्स की हत्या, श्मशान काली मंदिर में पूजा के बहाने बुलाया

देवघर, एजेंसी। देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डिगरिया पहाड़ के 62 माइल के पास सड़क किनारे स्थित एक पुलिया के नीचे अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया गया। सुबह-सुबह शव देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। सूचना मिलने पर जसीडीह थाना की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान बिहार के जमुई जिले के लहुआ गांव निवासी लड्डू उर्फ हेमंत यादव (42 वर्ष) के रूप में की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमॉर्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने मौत के कारणों को संदिग्ध बताया है।

मृतक के पिता सुग्रीव यादव और अन्य परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गांव के ही कुछ परिचित लोग लड्डू यादव के घर आए थे। उन्होंने देवघर स्थित श्मशान काली मंदिर में पूजा-अर्चना कराने की बात कही और उसे अपने साथ ले गए। परिजनों के अनुसार, शाम को मोबाइल पर संपर्क करने पर लड्डू ने बताया था कि वह जल्द ही घर लौट आएगा। इसके बाद देर रात तक वह वापस नहीं लौटा। रात में कई बार फोन करने पर पहले घंटी जाती रही, फिर अचानक मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। इसके बाद परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं

मिल सकी। सुबह पुलिया के नीचे शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों को अनहोनी की आशंका सच होती नजर आई। परिजनों ने आरोप लगाया कि साजिश के तहत लड्डू यादव की हत्या की गई और सबूत छिपाने के इरादे से शव को पुलिया के नीचे फेंक दिया गया। परिजनों का कहना है कि मृतक का मोबाइल फोन भी शव के पास नहीं मिला है, जिससे मामला और भी संदेहास्पद हो गया है।

लड्डू यादव मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह अपने पीछे तीन पुत्रियां और दो पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गया है। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी एसआई सच्चिदानंद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हर पहलु से जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रांची में चोरों का बढ़ता हौसला : थाने से चंद दूरी पर स्थित जेवर दुकान से 16 किलो चांदी उड़ाई

रांची, एजेंसी। राजधानी में एक जेवर दुकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए सोलह किलो चांदी पर हाथ साफ कर दिया है। हैरत की बात है कि जिस जेवर की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया है, वो स्थानीय थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित है। चोरी किए गए चांदी की कीमत 50 लाख बताई जा रही है।

राजधानी रांची में चोरों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र का है। सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में थाने से महज कुछ सौ मीटर दूर एक ज्वेलर्स को चोरों ने अपना निशाना बनाया है। चोरों ने दुकान से करीब 16 किलो चांदी की चोरी कर ली और फरार हो गए। घटना के बाद दुकान संचालक ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन जांच में अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। दुकान के सीसीटीवी फुटेज में एक चोर की साफ तस्वीर कैद हुई है। जिसने अंदर घुसकर चोरी की है। वहीं दुकान के बाहर 6 अन्य चोर पहरे की तरह खड़े थे। चोरों ने जेवर दुकान में पहुचने के साथ ही बाहर के सीसीटीवी कैमरे को ऊपर की तरफ मोड़ दिया था। चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर जाते दिखे हैं। दुकान में सिर्फ एक चोर गया और मुंह में टॉर्च लेकर गहनों की तलाश करता हुआ दिख रहा है।

सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा ने बताया कि जेवर दुकान के मालिक के द्वारा दिए गए आवेदन में 16 किलो चांदी चोरी होने की बात कही गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

बोकारो में हाथियों ने 3 लोगों को कुचल कर मारा

रामगढ़, एजेंसी। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत छुटकी पुन्नू गांव में हाथियों ने एक बार फिर रौद्र रूप दिखाया है। हाथियों के झुंड ने एक ही करमाली परिवार के तीन सदस्यों की जान ले ली, जबकि पांच अन्य ग्रामीण घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार बुधवार की शाम करीब 7 बजे हाथियों का झुंड गांव में घुस आया था। उस समय ग्रामीणों ने मशाल, शोर और अन्य उपायों से हाथियों को किसी तरह भगा दिया। हालांकि खतरा टला नहीं था। गुरुवार तड़के करीब 3 बजे हाथियों का झुंड दोबारा गांव में घुसा और इस बार जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने घरों के गेट तोड़े और अंदर घुसकर सो रहे लोगों पर हमला कर दिया।

हाथियों के अचानक हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। घरों के भीतर सो रहे बुजुर्ग जान बचाने के लिए बाहर निकले, लेकिन हाथियों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। हाथियों ने पटक-पटक कर तीन लोगों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान गंगा करमाली, कमली देवी और गणेश करमाली की पत्नी भगिया देवी के रूप में हुई है। सभी एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। इस हमले में पांच अन्य ग्रामीण भी घायल हो गए, जिन्हें तत्काल

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन लोगों की एक साथ मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

यह पहली घटना नहीं है। बीते 25 जनवरी को गोमिया प्रखंड के सुदूरवर्ती दरहाबेड़ा गांव में हाथियों के कुचलने से करमचंद सोरेन की मौत हो गई थी। उस घटना पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने संज्ञान लेते हुए वन विभाग को सख्त निर्देश दिए थे। इसके बावजूद हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले रामगढ़ जिले में हाथियों ने रविंद्र दांगी को मारुति वैन से खींचकर मार डाला था। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीण दहशत में हैं। वन विभाग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं।

गोमिया क्षेत्र में लगातार हो रही मौत की घटनाओं को लेकर विभाग के प्रति ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और बचाव के लिए संसाधनों की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार सालों भर उसका आना-जाना लगा रहता है। जिसके चलते आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

ग्रामीणों की मांग है कि गांव से रजरप्पा जाने वाली रोड में लाइट की व्यवस्था की जाए। सड़क के किनारे बड़ा ड्रेनेज बनाया जाए जिससे हाथी सड़क पर सीधे नहीं पहुंच सके।

रांची के खादगढ़ा बस स्टैंड में लगातार आगजनी की घटनाओं का खुलासा, एक गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। खादगढ़ा बस स्टैंड पर लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं में पुलिस ने एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लोअर बाजार थाने की पुलिस ने अर्जुन भोक्ता नामक आरोपी को पकड़ा, जिसके कब्जे से माचिस का डिब्बा और लाइटर बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में आरोपी पर जानबूझकर आग लगाने का शक है।

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि 1 फरवरी 2026 को दोपहर करीब 2:30 बजे खादगढ़ा बस स्टैंड पर खड़ी छह बसों में अचानक आग लग गई थी, जिसमें सभी बसें जलकर खाक हो गईं। इस घटना की जांच जारी थी, उसी दौरान 2 फरवरी को बस टर्मिनल के सामने खड़ी सीटी बस (रजिस्ट्रेशन नंबर छ्॥01स्न-6969) में फिर आग लग गई। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग बुझा ली गई।

जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में एक संदिग्ध व्यक्ति का हाथ फुटेज में कैद हुआ। फुटेज में देखा गया कि बस में आग लगने से ठीक पहले वह व्यक्ति हाथ में कपड़ा लिए बस में घुसा और बाहर निकलते ही आग भड़क उठी। पुलिस ने आगे जांच की तो 1 फरवरी की घटना वाली

पहली जलकर खाक हुई बस के पांच मिनट पहले भी यही व्यक्ति उसी बस के पास से गुजरता नजर आया।

इन सुरागों के आधार पर लोअर बाजार थाने में 3 फरवरी को कांड संख्या 31/2026 धारा 326(द्द)/327(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। विशेष टीम ने छापेमारी कर आरोपी को उसके घर से दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपी अर्जुन भोक्ता है, जो रांची के सिकिदरी का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक माचिस का डिब्बा और एक लाइटर भी बरामद किया गया है।

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि आरोपी को जिस समय पकड़ा गया वह अत्यधिक नशे में था या तो उसने शराब का नशा किया था या फिर डेंड्राइट का। सिटी एसपी के अनुसार, इस मामले में दर्जनों लोगों से पूछताछ की गई है। लेकिन अंत में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

खादगढ़ा बस स्टैंड में भीषण आग लगी कि यह पहली घटना नहीं है जिसे किसी नशेड़ी या फिर सिरफिरे के द्वारा अंजाम दिया गया हो। साल 2023 में जून महीने में भी 9 बसों में आग लगी थी। जून महीने में 5 घंटे के अंतराल में खादगढ़ा बस स्टैंड में दो बार भीषण आग लगी थी, इस आग लगी में 8 बसें जलकर पूरी तरह से खाक हो गई, जबकि एक बस को अग्निशमन विभाग के द्वारा बचा लिया गया था। 9वें बस में आंशिक रूप से नुकसान हुआ था, लेकिन बाकी आठ बसें तो पूरी तरह से जल कर राख हो गई थीं।

पहली वारदात में कुल 5 बसों में अचानक आग लगी थी आनन-फानन में दमकल के वाहनों को बुलाया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, नतीजा चार बसें जलकर पूरी तरह से खाक हो गई थी। पहली अगलगी कि घटना के बाद दमकल के 5 वाहनों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। आग पर काबू पाने के बाद दमकल के वाहन वापस चले गए। आग पर काबू पाने के बाद पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई और सीसीटीवी फुटेज खंगालने लगी ताकि आग कैसे लगी इसकी जांच हो जाए। लेकिन तभी अचानक खादगढ़ा बस स्टैंड में एक बार फिर से भगदड़ मच गई।

5 घंटे के अंतराल में दूसरी बार बस स्टैंड में खड़ी चार बसों में आग लग चुकी थी। एक बार फिर से अग्निशमन विभाग को मामले की जानकारी दी गई। इस बार भी दमकल के वाहनों को खादगढ़ा बस स्टैंड पहुंचने में लगभग आधा घंटा लग गए। लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते एक बार फिर से चार बसें जलकर खाक हो गईं। दूसरी बार भी दमकल के 6 वाहनों ने 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। बाद में सीसीटीवी जांच में यह बात सामने आई कि एक नाबालिग द्वारा बसों में स्प्रिट छिड़क कर आग लगायी गयी थी। जिसके बाद आरोपित नाबालिग को पुलिस के द्वारा निरुद्ध किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

बांका में पति की पिटाई से पत्नी की मौत

बांका, एजेंसी। बांका में पति की पिटाई से महिला की मौत हो गई है। मामला कटोरिया थाना क्षेत्र के भोलाडीह गांव की है। बुधवार देर रात झारखंड के देवघर में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान भोलाडीह निवासी शंभू यादव की पत्नी बबीता देवी (24) के रूप में हुई है। मृतका के मायके वालों ने पति सहित ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। झुनझुनियां गांव के निवासी मृतका के पिता पप्पू यादव ने बताया कि उनकी बेटी बबीता देवी का पति शंभू यादव दूसरे बच्चे के जन्म के बाद से ही उसके साथ हिंसक तरीके से बर्ताव कर रहा था। शंभू यादव अक्सर बबीता पर गैर पुरुष से बातचीत करने का आरोप लगाकर मारपीट करता था। परिजनों ने कई बार पारिवारिक स्तर पर समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन मारपीट जारी रही। परिजनों के अनुसार, हाल ही में शंभू यादव ने इसी आरोप को लेकर बबीता देवी के साथ मारपीट की। पिटाई के कारण बबीता बेहोश हो गई, जिसके बाद उसे कटोरिया के एक प्राइवेट डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए झारखंड के देवघर रेफर कर दिया था। हालांकि, मंगलवार सुबह आरोपी पति उसे जबरन घर वापस ले आया। देर शाम बबीता की हालत फिर गंभीर होने पर परिजन उसे दोबारा प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए। वहां से उसे फिर झारखंड देवघर रेफर किया गया, जहां बुधवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बबीता की मौत की सूचना मिलते ही पिता पप्पू यादव अन्य परिजनों के साथ शव लेकर कटोरिया थाना पहुंचे। उन्होंने पति शंभू यादव और ससुराल पक्ष के अन्य पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद मायके वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि यह पति-पत्नी के बीच विवाद का मामला है। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

ऑनलाइन गेम में उत्तर बिहार में भी जा चुकी जान, दोस्त की तरह बच्चों की निगरानी जरूरी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। ऑनलाइन गेम की लत कैंसर से भी खतरनाक बीमारी बनती जा रही है। गाजियाबाद में तीन सगी नाबालिग बहनों की नौवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी के बाद इसे लेकर एक्सपर्ट चिंता जता रहे हैं। उत्तर बिहार में भी इसे लेकर आत्महत्या के अलावा हत्या और दुर्घटना सामने आई है। इस संबंध में मनोविज्ञानी व टेक्निकल एक्सपर्ट का मानना है कि अभिभावकों को खुद सचेत होना होगा। बच्चों पर मित्र की तरह निगरानी रखनी होगी। ऑनलाइन मोबाइल गेम खेलने और मोबाइल इस्तेमाल पर कई देशों में प्रतिबंध या सख्त नियम हैं। चीन में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को ऑनलाइन गेम केवल शुक्रवार, शनिवार, रविवार और पब्लिक हालीडे पर रात आठ से नौ बजे तक सिर्फ एक घंटा खेलने की अनुमति है। वीकडे पर पूरी तरह प्रतिबंध है। मनोविज्ञानी आरडीएस कॉलेज के शिक्षक डॉ. सौरभ राज का कहना है कि अगर आपका बच्चा ऑनलाइन गेमिंग कर रहा है तो इस पर शुरू से ही नजर रखनी चाहिए। सारा दोष बच्चों का नहीं है। अगर बच्चा गेम खेल रहा है तो कितनी देर तक खेल रहा है, कौन सा गेम खेल रहा है इसकी मॉनिटरिंग की जानी चाहिए। दूसरी चीज की बच्चों का जो दिमागी विकास है, उसमें सही और गलत का अंतर समझने में समय लगता है।

पटना में नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

पटना, एजेंसी। पटना के बेउर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। युवती की शादी दो महीने पहले ही धूमधाम से हुई थी। बुधवार को घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया है। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस ने ससुराल के कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। युवती के पिता भोला राय ने बताया कि उनकी बेटी निशा कुमारी (20) की शादी 20 नवंबर 2025 को गर्दनीबाग निवासी संतोष कुमार (24) से हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के समय उन्होंने दामाद को लगभग 8 लाख रुपये नकद, सोने की चेन और ढाई लाख रुपये से अधिक का सामान दिया था। इसके बावजूद, संतोष कुमार लगातार एक गाड़ी की मांग कर रहे थे। भोला राय ने आरोप लगाया कि बुधवार को उन्हें बेटी की मौत की सूचना मिली। जब वे ससुराल पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि निशा कुमारी की गला दबाकर हत्या की गई थी और इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई।फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को बेउर थाना क्षेत्र के सिपारा बखानी मोहल्ले में एक नवविवाहिता द्वारा आत्महत्या करने की सूचना मिली थी, जिसके बाद एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया।

अगर बाप-दादा के नाम पर है जमीन तो वंशावली के आधार पर बनेगी आईडी,

बिहार के किसानों को बड़ी राहत

भागलपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी व फार्मर आईडी बनाने में कृषि व राजस्व विभाग की टीम हांफ रही है। नियमों में ढील मिलने की वजह से मंगलवार को जहां 25337 किसानों के फार्मर आईडी बनाए गए। वहीं, बुधवार को नियमों में फिर से सख्ती होने पर 4405 किसानों के ही फार्मर आईडी बनाए जा सके।

मंगलवार को फार्मर आईडी बनाने के मामले में भागलपुर नंबर वन पर था, वहीं बुधवार को यह जिले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। पीरपैंती में ई-केवाईसी व फार्मर रजिस्ट्री की स्थिति अच्छी नहीं है।

खराब परफॉर्मेंस के कारण खवासपुर पीरपैंती के किसान सलाहकार रामाशीष यादव, कोदवार कहलगांव के किसान सलाहकार सच्चिदानंद मंडल, महेशी अजगैवीनाथ के किसान सलाहकार रजनीकांत मिश्र व धर्मेंद्र कुमार को मुख्यालय बुला लिया गया है। उन्हें कारण बताओ नोटिस देकर 24 घंटे में उसका स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है। जिले में अबतक दो लाख 74 हजार 158 के विरुद्ध एक लाख तीन हजार 745 किसानों के फार्मर आईडी बन चुके हैं।

कहलगांव के प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव रंजन ने बताया कि खतियान यदि पिता, दादा या पूर्वजों के नाम है तो संबंधित किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। संयुक्त जमाबंदी में भी अलग अलग परिवार के सदस्यों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। पहले जिन किसानों के नाम खतियान में थे सिर्फ उन्हीं के रजिस्ट्रेशन किए जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार को किसानों के एफआर बनने के कार्य में काफी तेजी आ गई थी। इसकी मूल वजह मूल जमाबंदी में आवेदक का नाम नहीं रहने के बाद भी वंशावली के आधार पर लाभ ले रहे नामों को साफ्टवेयर स्वीकार करने लगा था। सूत्र के अनुसार, जमाबंदी दादा और पिता के नाम से होने के बाद भी आवेदक का एफआर बनने लगा था। इसका निर्देश मुख्यालय से प्राप्त हुआ था।

हालांकि, उसमें कुछ गलत एफआर बनने की सूचना मिलते ही बुधवार को इसे बंद कर दिया गया है। इससे फार्मर रजिस्ट्री का कार्य बुधवार को कम हुआ। सबौर के प्रखंड कृषि पदाधिकारी संजीव कुमार पाल ने बताया कि कल नाम में विसंगतियां होने के बाद भी किसानों का एफआर बन रहा था। बुधवार को पुनः पहले जैसी स्थिति हो गई है। नाम और जमाबंदी के नाम में अंतर होने पर सॉफ्टवेयर एक्सेप्ट नहीं कर रहा है।

उन्होंने बताया कि सबौर का एफआर 50 प्रतिशत होना चाहिए था, जो हो गया है। सबौर प्रखंड में टोटल 7271 पीएम किसान लाभार्थी हैं। उनमें से अबतक 6547 किसानों के केवाईसी हो चुके हैं। जबकि 3956 किसानों के एफआर कर लिए गए हैं।

इधर, जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी व उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह ई-केवाईसी व फार्मर रजिस्ट्री की लगातार मानीटरिंग कर रहे हैं। समीक्षा भवन में कृषि व राजस्व विभाग के अधिकारी लगातार इस कार्य पर नजर बनाए हुए हैं। बुधवार को छुट्टी के दिन भी जिलाधिकारी सहित सभी वरीय पदाधिकारी समीक्षा भवन में मौजूद रहे। इसमें लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पूर्णिया में शॉर्ट सर्किट से लगी आग :

2 गैस सिलेंडर फटा, घर मलबे में तब्दील

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि घर में रखे दो गैस सिलेंडर जोरदार धमाके के साथ फट गए। धमाके की आवाज सुनते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए। सब्जी बेचकर गुजारा करने वाले परमानंद सिंह का पूरा घर जलकर राख हो गया। विस्फोट के बाद हुई भीषण आगलगी में पूरा घर मलबे में तब्दील हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे से पहले ही सभी सदस्य भाग निकले, जिससे उनकी जान बच सकी। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। काफी मशक्कत से आग बुझाई जा सकी, लेकिन तब तक सारा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। घटना के. नगर थाना क्षेत्र के गणेशपुर पंचायत के आदमपुर टोला की है।

पीड़ित परमानंद सिंह ने बताया कि रोज की तरह परोड़ा चौक पर सब्जी बेचने गए थे। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई। घर में दो गैस सिलेंडर रखे थे। दोनों गैस सिलेंडर आग की चपेट में आ गए। गैस सिलेंडर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। उसी समय उन्हें फोन पर आग लगने की खबर मिली। जब वे वापस पहुंचे, तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। डेढ़ लाख कैश, अनाज, कपड़े, बर्तन, सब्जी के कैरेट, खाद की बोरियां और पूरा घर जलकर राख हो गया।

मैं सब्जी बेचकर किसी तरह परिवार चलाता हूं। घर बनाने के लिए पैसे जोड़े थे, सब जल गया। उनकी आठ बेटियां हैं। कल ही ग्रुप लोन की दस हजार रुपए की किस्त भी जमा की थी। अब घर और जमा की गई पूरी पूंजी खत्म हो चुकी है। परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। खाने-पीने की भी भारी परेशानी हो गई है। अब बच्चों को कैसे पालूंगा, समझ नहीं आ रहा। सरकार से बस मदद चाहिए।घटना की जानकारी मिलते ही जिला परिषद सदस्य देशबंधु उर्फ बुलबुल पासवान, मुखिया अंजनी देवी, पूर्व प्रमुख मंजूर बैग, समाजसेवी आफताब आलम और पूर्व मुखिया सुरेंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे। सभी ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तुरंत सरकारी सहायता, मुआवजा और रहने की व्यवस्था देने की मांग की है।

प्रसव के बाद महिला की मौत से हड़कंप; परिजनों का हंगामा

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा सदर अस्पताल में बुधवार शाम प्रसव के कुछ घंटे बाद एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। मृतका की पहचान भर्राही थाना क्षेत्र के गोढ़ैला गांव निवासी दिनेश साह की बेटी अनुपम कुमारी (23) के रूप में हुई है। उसकी शादी मई 2023 में कुमारखंड प्रखंड के रहटा वार्ड निवासी अमित कुमार साह से हुई थी। पति मजदूरी कर परिवार का खर्च चलाते हैं।

मृतका की मां बबली देवी ने बताया कि बुधवार सुबह करीब नौ बजे अनुपम कुमारी को प्रसव पीड़ा होने पर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुबह करीब 10 बजे उसने एक बच्ची को जन्म दिया, जो पूरी तरह स्वस्थ है। लेकिन प्रसव के बाद अनुपम की हालत धीरे-धीरे बिगड़ने लगी। परिजनों ने जब इसकी जानकारी वहां मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को दी, तो उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

शाम करीब 3.30 बजे जब उसकी हालत ज्यादा खराब हो गई, तो उसे जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान उन्हें एंबुलेंस भी उपलब्ध नहीं कराई गई। मजबूरी में उन्होंने ऑटो रिजर्व किया और प्रसूता को लेकर निकले, लेकिन अस्पताल गेट से बाहर निकलते ही अनुपम की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया।

परिजनों का कहना है कि अगर समय पर सही इलाज मिल जाता और लापरवाही नहीं बरती जाती, तो अनुपम कुमारी की जान बचाई जा सकती थी। उनका आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद महिला डॉक्टर कुमारी शिखा ने मरीज का ठीक से इलाज नहीं किया। परिजनों ने यह भी कहा कि अस्पताल में पहले से ही कई मरीज महिला डॉक्टर के व्यवहार को लेकर शिकायत कर चुके हैं।किसी ने डीएम को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद रात करीब 9.30 बजे सदर एसडीएम संतोष कुमार सदर अस्पताल पहुंचे।

'बेटा कहकर, बेटी थमा दी', नवजात अदला-बदली के आरोप से मचा बवाल, सदर अस्पताल में हंगामा

वैशाली, एजेंसी। सदर अस्पताल के प्रसव वार्ड में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक प्रसूता के परिजनों ने बेटे की जगह बेटी सौंपे जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। नवजात के बदलने की बात सामने आते ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। हालात बिगड़ते देख ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने अस्पताल से बाहर निकलकर नगर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई।

पीड़िता के भाई संजय कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह उन्होंने अपनी बहन गुंजन को प्रसव के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। करीब 12 बजे डॉक्टर उसे प्रसव के लिए ले गए। कुछ देर बाद अस्पताल के एक कर्मी ने परिजनों को बताया कि बेटा हुआ है और नसबंदी करानी है। पहले से प्रसूता को चार बेटियां थीं, इसलिए बेटे के जन्म की जानकारी मिलने पर परिजनों ने नसबंदी करवा दी। लगभग एक घंटे बाद जब अस्पताल कर्मियों ने बेटे की जगह बेटी सौंपनी चाही, तो परिजनों ने बच्ची लेने से इनकार कर दिया और डॉक्टर व नर्स पर बच्चे की अदला-बदली का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

आक्रोशित परिजनों के हंगामे को देख ओटी वार्ड में तैनात सभी कर्मी वार्ड छोड़कर बाहर निकल गए। इधर, सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस दल-बल के साथ अस्पताल पहुंची और परिजनों को समझाने-बुझाने में जुट गई, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे और बेटे को सौंपने की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे तक चले हंगामे और उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए।

बताया जा रहा है कि इससे पहले भी सदर अस्पताल में नवजात की अदला-बदली का मामला सामने आ चुका है। बीते 30 अगस्त को नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में गड़बड़ी के कारण बच्चे की अदला-बदली को लेकर परिजनों ने जमकर हंगामा किया था। बिदुपुर थाना क्षेत्र के दुगोली गांव निवासी दीपक ठाकुर की पत्नी प्रियंका कुमारी ने देर रात एक बच्चे को जन्म दिया था, जो लड़का था और इलाज के लिए नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में रखा गया था। वहीं, एक अन्य महिला जिसका नाम भी प्रियंका कुमारी था, उसकी बच्ची का भी वहीं इलाज चल रहा था। दोनों माताओं का नाम एक होने के कारण अस्पताल कर्मियों से बच्चे की अदला-बदली हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने हंगामा किया था।

नालंदा में बजट 2026-27 से उम्मीदों का नया सवेरा

बौद्ध सर्किट से पर्यटन को नई पहचान मिलेगी

नालंदा, एजेंसी। बिहार बजट 2026-27 ने ऐतिहासिक नालंदा जिले के लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। 3.47 लाख करोड़ रुपए के इस महत्वाकांक्षी बजट में पर्यटन, शिक्षा और रोजगार पर विशेष जोर देते हुए जिले को बिहार के विकास की नई कहानी का केंद्र बनाने का प्रयास किया गया है।

बजट में राजगीर को बौद्ध सर्किट से मजबूती से जोड़ने और नालंदा विश्वविद्यालय के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को शामिल किया गया है। जानकारों का मानना है कि इससे पर्यटन उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अनगिनत अवसर पैदा होंगे।

नालंदा की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की इस पहल से होटल, परिवहन और हस्तशिल्प उद्योगों को भी गति मिलने की संभावना है।

बजट में कृषि क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है। जिले के 1.74 लाख किसानों को कर्पूरी सम्मान निधि का लाभ मिलेगा। पीएम किसान सम्मान निधि के साथ मिलाकर अब प्रत्येक किसान को सालाना 9,000 रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी, जिससे खेती की बढ़ती लागत से जूझ रहे किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिले के 4.21 लाख बिजली उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना से न केवल बिजली बिल में भारी कमी आएगी, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

बजट में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की परिकल्पना की गई है। जिले की 231 पंचायतों में एक-एक मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे, जहां स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लाइब्रेरी की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। कौशल विकास मिशन के विस्तार और स्टार्टअप फंड में वृद्धि से युवाओं के सपनों को पंख लगेंगे। छोटे और मध्यम उद्योगों को आसान ऋण और तकनीकी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है, जिससे स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। कृषि आधारित उद्योगों और पर्यटन सेवाओं के विकास से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में नई जान आने की उम्मीद है।

बजट में ग्रामीण सड़कों को एक लेन से दो लेन में विकसित करने की योजना शामिल की गई है। यह पहल गांवों को शहरों से बेहतर तरीके से जोड़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी।

जिले के उद्यमियों, युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने इस बजट को रोजगार और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने वाला बताया है। कपड़ा व्यवसायियों, स्वर्ण कारोबारियों और स्थानीय निवासियों ने एकमत से माना कि यह बजट विकसित बिहार की मजबूत नींव रखेगा।

पटना में रेंट एग्रीमेंट के विवाद को लेकर फायरिंग

पटना, एजेंसी। पटना में दीघा इलाके के लोयला स्कूल के पास शंभू सिंह नाम के शख्स पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हालांकि शंभू सिंह फायरिंग करने वाले बदमाश से भीड़ गए। हाथ पकड़कर ऊपर कर दिया। जिससे हवाई फायरिंग हो गई। वहां मौजूद लोगों ने इसी बीच उस शख्स को पकड़ लिया। बुरी तरह से मारने पीटने लगे। पीड़ित पक्ष ने पीटने के बाद पुलिस को खबर की। मौके पर पुलिस आई और आरोपी को लेकर थाने चली आई। गंभीर चोट होने के चलते पुलिस ने आरोपी का इलाज भी कराया। इधर, दो अन्य आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा कि 50 लाख की रंगदारी भी मांगी गई थी। वहीं, पीड़ित पर दोबारा हमला किया गया है। रेंट के पैसे को लेकर विवाद था। प्रभारी सेंट्रल एसपी भानु प्रताप ने बताया कि आरोपी की पहचान बिहटा के रहने वाले सिकंदर उर्फ राहुल के तौर पर हुई है। पूर्व से ही दोनों के बीच रेंट के रुपए को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपी का कहना है कि शंभू सिंह के यहां रुपए बकाया है।वहीं, शंभू सिंह का कहना है कि कोई रुपए बकाया नहीं है। इसी बात के विवाद में सिकंदर ने शंभू को टारगेट कर के फायरिंग की थी। आरोपी के पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा मिले हैं। फिलहाल और भी पूछताछ की जा रही है। इधर, पीड़ित शंभू सिंह ने दीघा थाने में सिकंदर उर्फ राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आस पास में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छानबीन कर रही है।

क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 85वीं बैठक में महाप्रबंधक ने हिंदी में कार्य करने पर दिया जोर

हाजीपुर, एजेंसी। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय/हाजीपुर में क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 85वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने की। उन्होंने अधिकारियों को राजभाषा से संबंधित निर्देशों का दृढ़तापूर्वक पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री सिंह ने कहा कि पूर्व मध्य रेल 'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण अधिकांश कार्य हिंदी में होता है। उन्होंने अधिकारियों से छोटे आदेश और टिप्पणियाँ हिंदी में लिखने का आग्रह किया, जिससे हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए सकारात्मक माहौल बनेगा और अधीनस्थ कर्मचारी भी प्रेरित होंगे। उन्होंने दैनिक कामकाज में सरल और सहज हिंदी के प्रयोग पर बल दिया।

इस अवसर पर, राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य के लिए कार्मिक विभाग को महाप्रबंधक द्वारा अंतर्विभागीय राजभाषा चल शील्ड प्रदान की गई। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चंद्र श्रीवास्तव ने यह शील्ड प्राप्त की। महाप्रबंधक ने 'पूर्व मध्य रेल दर्पण' राजभाषा बुलेटिन के वर्तमान अंक और राजभाषा सहायिक के दूसरे संस्करण का भी लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त, रेलवे बोर्ड व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना आधार वर्ष-2023 के पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में पूर्व मध्य रेल के मंडलों और कारखानों के उच्च अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने विभागों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार की स्थिति से समिति को अवगत कराया।

अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐसी समीक्षा बैठकों से कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ और सुझाव सामने आते हैं। उन्होंने आपसी समन्वय और सकारात्मकता के माध्यम से लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी और भविष्य की बैठकों में महत्वपूर्ण लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लेने की उम्मीद जताई।

हमें प्रसन्नता है कि पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर में आप सभी के सहयोग से हम राजभाषा के प्रचार-प्रसार में निरंतर अग्रसर रहेंगे। प्रभात कुमार, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने अपने वक्तव्य में कहा कि पूर्व मध्य रेल 'क' क्षेत्र में स्थित है।

इसलिए यहां अधिकांश कार्य स्वाभाविक रूप से हिंदी में ही होना चाहिए, ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ और अधिक प्रयास करके हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है इसलिए यहाँ अधिकांश कार्य स्वाभाविक रूप से हिंदी में ही होना चाहिए। आवश्यकता है दृढ़ इच्छाशक्ति की। ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ और अधिक प्रयास करके हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमारा दायित्व है कि संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप सभी कामकाज शत-प्रतिशत हिंदी में किए जाएं।

इसके लिए आप सबके सहयोग की आवश्यकता है। समय के अनुरूप अपेक्षा है कि हम अपना कार्य हिंदी में सरल और सहज रूप से करें ताकि यह सभी के लिए बोधगम्य हो। महाप्रबंधक महोदय के कुशल नेतृत्व में इस रेल पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए हम निरंतर सचेष्ट हैं।

और हमारा प्रयास है कि विभिन्न माध्यमों से अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए एवं राजभाषा के विकास के लिए स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जाए। आज की बैठक में हम राजभाषा के प्रयोग-प्रसार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे तथा विचार-विमर्श के जरिए कार्यालयी कामकाज हिंदी में करने की दिशा में प्रयास करेंगे।

बैठक का संचालन करते हुए उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री केशव त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व मध्य रेल में हिंदी के प्रयोग-प्रसार में तेजी लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने समिति को सूचित किया कि हमारे कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का कार्य गृह मंत्रालय के वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम के अनुरूप ही किया जा रहा है। इसके साथ-साथ राजभाषा कार्यशाला, महत्वपूर्ण साहित्यकारों की जयंतियों जैसे कार्यक्रम भी मुख्यालय में नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। संसदीय राजभाषा समिति के संभावित निरीक्षण दौरे को लेकर भी हमलोग गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी द्वारा दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

जूही को मिला नेठिया का कोटा

विशेश्वरगंज , एजेंसी। प्राथमिक विद्यालय विसई डिहवा नेठिया में बुधवार को कोर्ट के आदेश पर कोटा चयन को लेकर खुली बैठक का आयोजन किया गया। कोटा चयन प्रक्रिया में जूही विजयी घोषित की गई। इस मौके पर प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद रही। कोर्ट के आदेश के तहत ब्लॉक स्तरीय प्रशासन द्वारा गठित टीम नोडल अधिकारी एडीओ कोआपरेटिव दिलीप कुमार दूबे, एडीओ पंचायत अरुण कुमार पांडेय, ग्राम पंचायत सचिव लक्ष्मी नारायण, महेश कुमार व बीएमएम आशीष कुमार की देखरेख में बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई। बैठक में 1800 मतदाताओं के सापेक्ष 1/5 प्रतिशत कोरम पूरा होने के बाद कोटा चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इस दौरान जूही शुक्ला, विशाल कुमार तिवारी, मंजूदेवी व कामिनी ने नामांकन दाखिल किया। जूही 442 मत पाकर कोटा चयन की प्रक्रिया में विजयी घोषित की गई। विशाल को 21, मंजूदेवी को सात व कामिनी देवी को महज 35 मत ही प्राप्त हुए। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान आरती देवी ने की। कोर्ट के आदेश के तहत इस दौरान एसओ संदीप कुमार द्विवेदी की अगुवाई में एसआई दिग्विजय सिंह के साथ वृजराज यादव, रामरतन सिंह, राधेश्याम यादव, संजय कनौजिया, दीवान गोवर्धन गुप्ता, हेड कांस्टेबल सच्चिदानंद यादव, योगेंद्रनाथ यादव, ज्ञानेंद्र राय, शंभू यादव, कांस्टेबल शिवानी गौड़ व सीमा अग्रहरी समेत पुलिस बल मौजूद रहा।

शटरिंग ढहने से घायल श्रमिक की मौत

बहराइच, एजेंसी। शहर के बशीरगंज मोहल्ला स्थित मैरिज लॉन में मंगलवार शाम भवन निर्माण के दौरान ढही शटरिंग की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए श्रमिक झुलसे पुत्र मेवालाल की बुधवार को लखनऊ में उपचार के दौरान मौत हो गई। श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत पैतृक संगमपुरवा गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया। श्रमिक संगठन से जुड़े प्रतिनिधि योगेंद्र मणि ने सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी से मुलाकात कर श्रमिक झुलसे पुत्र मेवालाल के परिजनों को अहेतुक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि यदि श्रमिक का यूपी के किसी भी जिले के श्रम विभाग में पंजीकरण होगा, तो उसके परिवार को विभाग की ओर से पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। यदि पंजीकरण नहीं है, तो चूंकि उसकी मौत मजदूरी करते समय हुई है, इसलिए उसे एक लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है। दूसरी तरफ कोतवाली नगर के प्रभारी प्रदीप सिंह का कहना है कि यदि परिवार के लोग तहरीर देंगे, तो एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। संगमपुरवा गांव के प्रधान लाल बहादुर यादव ने बताया कि मृतक मजदूर के परिवार में माता-पिता और भाई के अतिरिक्त उसकी पत्नी और एक साल का बेटा है।

पहले वाहन, फिर भिड़े चालक

लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर विराजखंड में उल्टी दिशा से आ रहे ई रिक्शा की कार से भिड़ंत हो गई। इसके बाद सड़क पर ही दोनों चालक भिड़ गए। जमकर लात-घूसे चले। हालांकि, राहगीरों ने दोनों को अलग कर मामला शांत करवाया। इस दौरान पुलिस नदारद रही।

वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति में प्रो. ओंकार नाथ का चयन

लखनऊ , एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) ने वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति का चयन कर लिया है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर शोध कार्य के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. ओंकार नाथ उपाध्याय को चुना गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने डॉ. उपाध्याय को शुभकामनाएं दी हैं। आईसीएसएसआर देश का प्रमुख संस्थान है, जो समाज से जुड़े विषयों पर शोध को बढ़ावा देता है। वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति का उद्देश्य समाज, शिक्षा, राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति जैसे विषयों पर गहराई से अध्ययन करना है

चोट लगने से हुई थी मादा तेंदुए की मौत

बहराइच, एजेंसी। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मोतीपुर वन रेंज में मंगलवार की सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब पकड़िया दीवान गांव के पास रामपुर मार्ग किनारे एक खेत में मादा तेंदुए का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी डीपी कनौजिया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करते हुए तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय ले जाया गया था। डीएफओ ने बताया कि मृत तेंदुआ मादा थी, उसकी उम्र लगभग आठ से दस माह के बीच है। प्रथम दृष्टया मादा तेंदुए की मौत आपसी संघर्ष से होना प्रतीत हो रही है।

गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश

बस्ती। अमृत भारत योजना के तहत रेल मंत्रालय की ओर से आधुनिक तरीके से सुसज्जित ढंग से मॉडल के तौर पर विकसित किया जा रहे बस्ती रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य का बुधवार को लखनऊ डिवीजन के डीसीएम अजय कुमार सुमन व सीसीएमपीएम विजय कुमार रेल कर्मचारियों के साथ स्टेशन का निरीक्षण किया और समय से निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के अधिकारियों ने बस्ती रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक के पीछे मुख्य प्रवेश द्वार, भवन, पिलर व स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का एक-एक कर बारीकी से निरीक्षण किया और निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण तरीके से सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिए। डीसीएम अजय कुमार सुमन ने बताया कि अमृत भारत योजना के तहत यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए मॉडल के तौर पर बस्ती रेलवे स्टेशन को विकसित किया जा रहा है।

बेरोजगारों संग की ठगी- नौकरी दिलाने के नाम पर भेजा दुबई, न कंपनी थी न नौकरी-

ठग लिए 30.45 लाख रुपये, गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। आरोप है कि फुरकान, उसकी पत्नी इमराना खातून, पिता फारूक अली व अन्य के बैंक खातों में अलग-अलग तिथियों पर 49 लोगों के करीब 24.30 लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद 12 युवकों का वीजा कराकर उन्हें दुबई भेजा गया। वहां पहुंचने पर पता चला कि न तो कोई कंपनी है और न ही कोई नौकरी। सभी युवक बेरोजगार हालत में फंस गए।

दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर नायब काजी से 30.45 लाख रुपये की ठगी के आरोपी इनामी जालसाज को राजघाट पुलिस ने संतकबीरनगर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान महाराष्ट्र के ठाणे खंडु पाडा भिवंडी डांडेकरवाडी निवासी फारुक अली निजामी के रूप में हुई है।

आरोपी को वर्ष 2023 से पुलिस खोज रही थी। वह संतकबीरनगर जिले के दुधरा इलाके में छिपकर रह रहा था। पुलिस ने दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मामला राजघाट थाना क्षेत्र के तुर्कमानपुर स्थित रशीद मंजिल निवासी मोहम्मद अजहर से जुड़ा है, जो इस्लामिक मुफ्ती होने के साथ-साथ शहर के नायब काजी भी हैं। 20 अगस्त 2023 में उन्होंने राजघाट थाने में फुरकान अली निजामी, उसकी पत्नी इमराना खातून, फुरकान के पिता फारूक अली समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

आरोप था कि उनके परिचित फुरकान अली निजामी और उसके परिजनों ने दुबई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे और उनके जानने वालों से लाखों

रुपये ठग लिए। पीड़ित के अनुसार, फुरकान अली ने दुबई (यूएई) में 70 लोगों की नौकरी की वैकेंसी होने का दावा किया था। चॉकलेट कंपनी, ट्रॉली बैग और परफ्यूम पैकिंग जैसे पदों पर नियुक्ति का भरोसा दिलाया। इसके एवज में प्रत्येक व्यक्ति से वीजा से पहले 30 हजार और वीजा मिलने के बाद 40 हजार रुपये लेने की बात तय हुई। विश्वास दिलाने के लिए डिलाइट चॉकलेट फैक्टरी एलएलसी का एग्रीमेंट भी दिखाया गया, जो बाद में फर्जी निकला।

आरोप है कि फुरकान, उसकी पत्नी इमराना खातून, पिता फारूक अली व अन्य के बैंक खातों में अलग-अलग तिथियों पर 49 लोगों के करीब 24.30 लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद 12 युवकों का वीजा कराकर उन्हें दुबई भेजा गया। वहां पहुंचने पर पता चला कि न तो कोई कंपनी है और न ही कोई नौकरी। सभी युवक बेरोजगार हालत में फंस गए।

नायब काजी ने बताया कि मानवीय आधार पर उन्होंने अपने पास से करीब 6.15 लाख रुपये खर्च कर होटल, भोजन और हवाई टिकट की व्यवस्था कर 5 अगस्त 2023 को सभी युवकों को देश वापस बुलाया। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने टालमटोल शुरू कर दी और बाद में जान से मारने की धमकी देने लगा।इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी।

गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने 15-15 हजार रुपये का इनामी घोषित किया था।पुलिस टीम ने बुधवार को फुरकान के पिता फारूक को संतकबीरनगर के दुधरा इलाके से गिरफ्तार कर लिया। दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। भागे हुए अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

नो-मैपिंग में एसडीएम पूरनपुर का भी फॉर्म, नोटिस जारी

पीलीभीत। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह का भी फॉर्म नो-मैपिंग में आया है। उन्हें भी जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से नोटिस जारी किया गया है।

अब बीएलओ को रोजाना दो घंटे तक बूथ पर बैठना है। बुधवार को बूथों पर बीएलओ ने मतदाताओं के फॉर्म जमा किए। शहर के राम लुभाई साहनी महाविद्यालय के बूथ की सूची में मतदाता के तौर पर दर्ज एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह का फॉर्म भी नो-मैपिंग में पाया गया। उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से नोटिस जारी किया गया है।

एसआईआर के पहले चरण में अनमैप्ड विवरण में मिले 67 हजार से अधिक मतदाताओं को नोटिस भेजा गया है। अब इस श्रेणी के मतदाताओं की संख्या 2.40 लाख पहुंच गई है। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रसून द्विवेदी ने बताया कि इन सभी मतदाताओं को नोटिस भेजा रहा है।

घुंघचाई। दिलावरपुर के बूथ संख्या 41, 42, 43 पर सुबह दस बजे बीएलओ पहुंचे। मतदाताओं ने बूथ पर पहुंचकर वोट बनने की जानकारी ली। इसके अलावा सिमरिया, कसगंजा आदि बूथों पर भी सुबह 10 से 12 बजे के बीच बीएलओ काम करते दिखे। कई गांवों में बीएलओ ने मतदाताओं को नोटिस वितरित किए।

बिलसंडा। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी बूथों पर मतदाताओं की समस्याओं को सुनकर उनकी समस्याओं का लगातार समाधान किया जा रहा है। बुधवार को पीएमश्री विद्यालय में बैठे बीएलओ ने मतदाताओं की समस्याओं को सुना। इस दौरान नगर के निवासी अख्तर ने बताया कि उनका वोट नहीं बना है। इसको लेकर वह कई दिनों से चक्कर लगा रहे हैं।

हजरत इमाम मेहंदी की विलादत पर सजी महफिलें

लखनऊ , एजेंसी। बारहवें इमाम मेहंदी की विलादत का जश्न बुधवार को भी शिया समुदाय ने जारी रहा। महफिलों के आयोजन के साथ कर्बला, इमामबाड़ों और घरों में नज्र दिलाने व चखने का सिलसिला चलता रहा।

हुसैनाबाद ट्रस्ट की ओर से खदरा स्थित कर्बला मलका आफाक में जश्ने मसर्रत का आयोजन किया गया। अकीदतमंदों ने कर्बला पहुंचकर जियारत और नज्र की। लोगों ने दोस्तों व रिश्तेदारों के घर जाकर नज्र चखी। मंसूरनगर स्थित इमामबाड़ा उम्मूल बनीन में जश्ने-नूर-ए-असर का आयोजन किया गया। इसे मौलाना सैयद हैदर अब्बास रिजवी ने खिताब किया। हसनपुरिया स्थित अब्बासिया मस्जिद में जश्ने मुंतजिर मनाया गया। महफिल को मौलाना जमन हैदर जैदपुरी और मौलाना फिरोज अब्बास ने खिताब किया। डालीगंज स्थित कर्बला नसीरुद्दीन हैदर में महफिल ए कायम को मौलाना एजाज अतहर ने खिताब किया। वजीरगंज स्थित मस्जिद बुतूली बेगम व इमामबाड़ा जनाबे औन और मोहम्मद में जश्ने इमामे अस्र में मौलाना फिरोज अब्बास नकवी ने खिताब किया।

मेहंदी घाट पर गोमती पर नावों को जोड़कर सजाए बजरे की जियारत के लिए अकीदतमंद बुधवार को भी पहुंचते रहे। शिया समुदाय ने अरीजे (अर्जी) में मन्नतें लिखकर उसे आटे में लपेटकर दुआ पढ़ी और इसे हजरत इमामे जमाना की खिदमत में गोमती में डाला।

यूपी बोर्ड 2026 की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू

मेरठ क्षेत्र से 10.34 लाख छात्र होंगे शामिल

मेरठ। यूपी बोर्ड की 2026 की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक होंगी। मेरठ क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के अंतर्गत 17 जिलों से 10.34 लाख से अधिक छात्र परीक्षा में शामिल होंगे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चलेंगी। इस वर्ष मेरठ क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के अंतर्गत आने वाले 17 जिलों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में कुल 10.34 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे।

क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय मेरठ के अंतर्गत मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ़ और आगरा मंडल के कुल 17 जिले आते हैं। इन सभी जिलों से कुल 10,34,745 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा देंगे। इनमें हाई स्कूल के 5,30,668 और इंटरमीडिएट के 5,04,077 परीक्षार्थी होंगे।

यूपी बोर्ड 10वीं की डेटशीट

18 फरवरी	हिन्दी
19 फरवरी	कंप्यूटर
20 फरवरी	सामाजिक विज्ञान
21 फरवरी	गृहविज्ञान
23 फरवरी	अंग्रेजी
25 फरवरी	विज्ञान
27 फरवरी	गणित
07 मार्च	वाणिज्य
10 मार्च	चित्रकला
12 मार्च	कृषि

कुल परीक्षार्थियों में 5,65,078 छात्र और 4,69,027 छात्राएं शामिल हैं जो छात्रों की तुलना में बालिकाओं की संख्या 96,691 कम दर्शाती है। पहली बार बोर्ड परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 5.30 लाख है, जो मुख्य रूप से हाई स्कूल के परीक्षार्थी हैं।

यह भी पढ़ें- क्क बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 24 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, मेरठ-सहारनपुर के स्स्क बदले, ये होंगे नए कप्तान

आगरा में सबसे अधिक, शामली में सबसे कम परीक्षार्थी

क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के तहत आने वाले 17 जिलों में आगरा जिले में सबसे अधिक परीक्षार्थी होंगे। आगरा में हाई स्कूल के 60,380 और इंटरमीडिएट के 61,665 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। वहीं, शामली जिले में सबसे कम परीक्षार्थी होंगे, जिनमें हाई स्कूल के 12,463 और इंटरमीडिएट के 11,743 छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

छूटी प्रयोगात्मक परीक्षाएं आरजी कॉलेज में होंगी

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने वार्षिक, सेमेस्टर एवं एनईपी प्रणाली के तहत हुई लिखित परीक्षा की छूटी हुई प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षाओं की तिथि घोषित कर दी है। ये परीक्षाएं आरजीपीजी कॉलेज में आयोजित की जाएंगी।

प्राचार्य प्रो. निवेदिता मलिक ने बताया कि फूड साइंस एवं क्वालिटी कंट्रोल, गृह विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षा 11 फरवरी को होगी। भूगोल, चित्रकला एवं मनोविज्ञान विषयों की परीक्षा 16 फरवरी को सुबह 9ः30 बजे से शुरू होगी। छात्रों को अपने प्रवेश पत्र, प्रयोगात्मक विषय की फाइल और पिछली अंकतालिका के साथ संबंधित विभाग में समय पर उपस्थित होना होगा।

अमेरिकी टैरिफ कम होने से कितना हुआ फायदा ?

हैंडीक्राफ्ट और कांच उद्यमियों की हो गई चांदी-चांदी

आगरा। अमेरिका द्वारा टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किए जाने से आगरा के हैंडीक्राफ्ट और फिरोजाबाद के कांच उद्योग के निर्यातकों को बड़ी राहत मिली है। टैरिफ कटौती से निर्यात बढ़ने, कारोबार में तेजी और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

अमेरिका ने टैरिफ किया कम: निर्यात के साथ घरेलू बाजार में आएगी तेजी, उद्यमी बोले- टेक्सटाइल नगरी को मिलेगी गति

हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव विप्नेश त्यागी ने बताया कि मार्बल हैंडीक्राफ्ट का करीब 80 फीसदी अमेरिका में ही निर्यात होता है। 50 फीसदी टैरिफ से पहले आगरा से करीब 1500 करोड़ रुपये का निर्यात होता था। बढ़े टैरिफ के कारण ये निर्यात 40-50 फीसदी रह गया था। अब 18 फीसदी टैरिफ होने से उद्यमियों को बड़ी राहत मिलेगी। उत्पाद बढ़ने के साथ कारीगरों के लिए भी कार्य बढ़ जाएगा। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने बताया कि मार्बल हैंडीक्राफ्ट का सीजन शुरू होने वाला है। नोएडा में इंटरनेशनल मेला लगेगा। ऐसे में टैरिफ 18 फीसदी होने से पहले की तरह निर्यात की उम्मीद है। 50 फीसदी टैरिफ से निर्यात घटने से उत्पादों का निर्माण भी कम हो गया था। इससे कारीगर भी प्रभावित थे।

टैरिफ घटने से तेजी से बढ़ेगा कांच के उत्पादों का निर्यात : ग्लास मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि फिरोजाबाद से कांच के उत्पादों का साल भर पहले तक 500-800 करोड़ रुपये तक निर्यात होता था। 70-80 फीसदी अमेरिका में ही निर्यात होता था। टैरिफ से उत्पाद महंगे होने से कारोबार तेजी से घटा। 18 फीसदी टैरिफ होने से वर्तमान निर्यात दोगुना होने की उम्मीद है।

छोटी निर्माता इकाइयां फिर से होंगी संचालित : कांच उत्पाद निर्यातक बिन्नी मित्तल ने बताया कि टैरिफ 50 फीसदी होने से छोटे निर्यातकों पर सबसे ज्यादा मार पड़ी थी। कई इकाइयां बंदी की कगार पर पहुंच गईं। कारीगरों की छंटनी तक करनी पड़ी थी। टैरिफ 18 फीसदी होने से छोटे निर्यातकों को राहत मिलेगी। निर्यात बढ़ने से इकाइयां फिर से संचालित होने लगेंगी।

ये उत्पाद होते हैं निर्यात : मार्बल हैंडीक्राफ्ट में सजावटी सामान, फर्नीचर, क्रॉकरी, कैंडल स्टैंड, शतरंज समेत अन्य सामग्री हैं। कांच के उत्पादों की बात करें तो इसमें भी सजावटी सामान प्रमुख है। कैंडल स्टैंड, क्रॉकरी, फ्लॉवर पॉट निर्यात होते हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता सम्मानित

लखनऊ , एजेंसी। अधिवक्ता न हों तो पीड़ितों, गरीबों को न्यान न मिल सके। कानून का राज कायम है तो इसमें अधिवक्ता समाज का अहम योगदान है। वस्तु एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण के न्यायिक सदस्य संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अधिवक्ता सम्मान समारोह व तहरी भोज में ये बातें कहीं। गोमतीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान में हुए कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वस्तु एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण के न्यायिक सदस्य नरेंद्र कुमार और अध्यक्ष राज्य कर अधिकरण लखनऊ रमेश चंद्र मौजूद रहे। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल नारायण मल्होत्रा, जगदीश कुमार, अशोक श्रीवास्तव, अशोक कुमार सिंह सहित वकालत में 25 से 50 वर्ष तक गुजारने वाले 80 अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। महामंत्री शिवकुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

दो हादसों में युवक व महिला की मौत

सरोजनीनगर , एजेंसी। क्षेत्र में मंगलवार रात और बुधवार सुबह हुए दो सड़क हादसों में स्कूटी सवार ललित चौधरी (40) और महिला अधिवक्ता स्मिता द्विवेदी (45) की मौत हो गई। दोनों ही मामलों में तेज रफ्तार कार से स्कूटी सवारों की टक्कर हुई थी। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से भाग गए

सरोजनीनगर की जयराजपूरी कॉलोनी निवासी ललित चौधरी अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) स्थित गोमती ब्रेड कंपनी में नौकरी करते थे। उनके चचेरे भाई बंथरा के औरावां निवासी राम मिलन के मुताबिक मंगलवार रात करीब 11 बजे ललित ड्यूटी करके स्कूटी से घर जा रहे थे। बद्रीनगर पुलिया से पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार उनकी स्कूटी से टकरा गई। टक्कर लगते ही ललित सिर के बल सड़क पर गिरे और उनका हेलमेट टूट गया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार छोड़कर भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ललित को लोकबंधु अस्पताल लेकर पहुंची, जहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही ललित ने दम तोड़ दी। राममिलन ने बताया कि ललित को बुधवार मामा के बेटे की शादी में शामिल होने काकोरी के मौंदा गांव जाना था। ललित के परिवार में पत्नी पूजा हैं। इसके अलावा, सरोजिनीनगर की जयराजपुरी कॉलोनी निवासी अधिवक्ता स्मिता द्विवेदी के पति ऋतुराज द्विवेदी के अनुसार, बुधवार सुबह 10ः00 बजे पत्नी स्कूटी से ठाकुरगंज के नगरिया मायके जा रही थीं।

जागरूकता कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच

लखनऊ , एजेंसी। जागरूकता कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। सही समय पर सही जानकारी और टीकाकरण से इस बीमारी से बचा जा सकता है। हर मां को अपनी बेटी को नौ से 14 वर्ष की आयु में ही एचपीवी का टीका लगवाना चाहिए। इससे वह उसे पूरी जिंदगी सुरक्षित रख सकती है। सर्वाइकल ऐसा कैंसर है, जिसे टीके से रोका जा सकता है।

केजीएमयू के स्त्री कैंसर रोग विभाग की अध्यक्ष प्रो. डॉ. निशा सिंह ने बुधवार को ये बातें कहीं। वह अमर उजाला अपराजिता के तहत विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थीं। केजीएमयू के स्त्री कैंसर रोग विभाग और अमर उजाला की ओर से यह आयोजन किया गया था।

मनकामेश्वर वार्ड स्थित लंबेश्वर पार्क सामुदायिक केंद्र में हुए कार्यक्रम में डॉ. निशा सिंह ने महिलाओं से जुड़े कैंसर के लक्षण, बचाव व इलाज की जानकारी दी। उन्होंने विभाग की विशेष सुविधाओं जैसे टीकाकरण से लेकर जांच आदि के बारे में भी बताया। प्रोजेक्ट के तहत कम कीमत व मुफ्त में जांच और टीकारण की जानकारी भी साझा की। विभाग की डॉ. स्नेहा सिंह, जन आरोग्य मंदिर एवं वेलनेस सेंटर की डॉ. नेहा प्रताप ने कैंसर से जुड़ीं जानकारियां दीं। आयोजन में पार्षद रणजीत यादव का विशेष योगदान रहा। महंत देव्यागिरि व 70 से अधिक महिलाएं मौजूद रहीं।

कैंसर की खुद जांच करने का दिया प्रशिक्षण : डॉ. निशा ने खुद कैंसर की जांच करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने स्तनों के आकार, रंग की जांच करना सिखाया। साथ ही निप्पल से किसी भी तरह के असामान्य डिस्चार्ज (पानी जैसा, दूधिया या खून) की जांच करना सिखाया।

जनगणना शुरू होते ही नहीं पूछेंगे जाति, दूसरे चरण का इंतजार करना पड़ेगा

पहले चरण के दौरान क्या-क्या पूछे जाएंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में बड़ी जानकारी दी है। सरकार ने साफ-साफ कहा है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होती ही जाति जनगणना नहीं शुरू होगी। इसके लिए लोगों को दूसरे चरण का इंतजार करना पड़ेगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जाति से संबंधित सवालों को दूसरे चरण की शुरुआत से पहले अधिसूचित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में होने वाली जनगणना का काम दो हिस्सों में बांटा गया है। जाति जनगणना दूसरे चरण के दौरान की जाएगी। मुख्य रूप से पूरे देश में जनसंख्या की गिनती का काम फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। हालांकि, पहाड़ी और बर्फीले राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ दुर्गम इलाकों में यह काम सितंबर 2026 में ही शुरू कर दिया जाएगा। मंत्रालय का कहना है कि इसके बारे में पूरी जानकारी दिसंबर 2025 में ही दे दी गई थी, लेकिन फिर भी कुछ लोग जानबूझकर इस मुद्दे पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसीलिए सरकार ने दोबारा यह बयान जारी कर तारीखों और पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। दो हिस्सों में होगी जनगणना सरकार ने कहा है कि पहले चरण में मकानों की सूची बनाना और उनकी गणना करना शामिल होगा। दूसरे चरण के दौरान जाति जनगणना का काम किया जाएगा। सरकार ने 22 जनवरी को पहले चरण के दौरान पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों

को अधिसूचित किया था। इस दौरान घर में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री, घर में रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, घर के मुखिया का लिंग, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी और आधुनिक आवश्यकताओं तक पहुंच, वाहनों के प्रकार सहित अन्य प्रश्न सूचीबद्ध किए हैं जो पहले चरण के दौरान पूछे जाएंगे। इस साल एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा तय की गई 30 दिन की अवधि में हाउसलिस्टिंग का काम होगा। हाउसलिस्टिंग शुरू होने से ठीक पहले 15 दिनों में खुद से जवाब भरने का विकल्प होगा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि सत्ताधारी भाजपा का जाति जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं है और उस पर पीडीए समुदाय को धोखा देने का आरोप लगाया। एक्स पर पोस्ट में अखिलेश ने कहा था कि जनगणना नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं है।

कुत्तों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को दूर करने से जुड़ी हैं

दिल्ली में भाजपा नेता के घर के बाहर लोगों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में भाजपा नेता विजय गोयल के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन करने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में कई लोग बंगाली मार्केट स्थित उनके आवास के बाहर देर रात नारेबाजी करते दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ये लोग पशुओं को अधिकारी दिलाने से जुड़े कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। उन लोगों की मांगे पशुओं खासकर कुत्तों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को दूर करने से जुड़ी हैं।

वीडियो में एक महिला बार-बार नारे लगाती हुई दिखाई-सुनाई दे रही है- कुत्तों के साथ रेप होता है... कुत्तों के साथ रेप होता है... इस बीच वहां मौजूद लोग भी विजय गोयल के खिलाफ नारेबाजी करते सुनाई देते हैं। लोग कह रहे होते हैं- विजय गोयल हाय हाय, विजय गोयल हाय हाय। विजय गोयल मुर्दाबाद।

न्यूज एजेंसी पीटीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में साझा की गई जानकारी में लिखा था- ये लोग एनिमल राइट एक्टविस्ट हैं। कुत्तों के खिलाफ बढ़ते अपराधों के विरोध में भाजपा नेता विजय गोयल के घर के बाहर इकट्ठा हुए हैं। आपको बताते चलें कि कुत्तों के साथ रेप जैसी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने अप्रैल 2025 में शाहदरा जिले के कैलाश नगर इलाके से एक आदमी को कई कुत्तों के साथ रेप करने के आरोप में पकड़ा था

संक्षिप्त समाचार

दुबई में हवाला के जरिए खरीदी करोड़ों की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा कानून का उल्लंघन करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली में की गई छापेमारी में यह खुलासा हुआ है कि कुछ रईस लोगों ने गैर-कानूनी तरीके से पैसा भेजकर दुबई में करोड़ों रुपये की संपत्तियां खरीदी हैं। जांच में सामने आया कि दिल्ली के रहने वाले कपिल अग्रवाल और संगीता अग्रवाल ने दुबई में कुल 10 संपत्तियां खरीदीं, जिनकी कीमत लगभग 34.14 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि यह खरीदारी किसी बैंक के जरिए नहीं, बल्कि हवाला के जरिए की गई और इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। जब ईडी ने आरोपियों से इन विदेशी संपत्तियों के पैसों के स्रोत के बारे में पूछा, तो वे कोई ठोस सबूत नहीं दे सके। चूंकि दुबई में स्थित संपत्तियों को सीधे तौर पर जब्त करना मुश्किल है, इसलिए ईडी ने कानून का इस्तेमाल करते हुए भारत में मौजूद उनकी संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया। इस कार्रवाई के तहत कपिल और संगीता अग्रवाल से जुड़ी 5 संपत्तियां जब्त की गई हैं, जिनकी कीमत करीब 17.83 करोड़ रुपये है। इसके अलावा इसी जांच में एस. भट्टाचार्य नामक एक अन्य व्यक्ति की भी 3 संपत्तियां जब्त की गई हैं। ईडी का कहना है कि यह अघोषित विदेशी संपत्ति का मामला है, जिसे गुप्त तरीके से जमा किया गया था।

दिल्ली की सड़कों पर गड्ढे अब 48 घंटे में होंगे चकाचक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम ने सड़कों के बेहतर रखरखाव के लिए एक नई

कार्ययोजना बनाई है। इसके तहत निगम के अधीन आने वाली किसी भी सड़क के खराब होने की शिकायत मिलने पर उसे 48 घंटे के भीतर सुधारा जाएगा। जर्जर सड़क की मरम्मत के बाद अफसरों को चार दिन के भीतर अपने विभाग प्रमुख को इसकी स्टेट्स रिपोर्ट भी सौंपनी होगी। राजधानी में एमसीडी के अधीन 15 हजार से अधिक सड़कें आती हैं। निगम प्रशासन को अक्सर अपार्टमेंट, कॉलोनियों और बाजार परिसरों के आसपास की सड़कें जर्जर होने की शिकायत मिलती रहती हैं। विभिन्न आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद सड़कों की समय पर मरम्मत नहीं होती। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आंकड़ों के मुताबिक, नगर निगम को हर माह सड़कों के गड्ढों व मरम्मत कार्यों से जुड़ी 1200 शिकायतें मिलती हैं। इन्हीं शिकायतों के जल्द समाधान के लिए निगम प्रशासन ने दो दिन के भीतर सड़कों की मरम्मत की योजना बनाई है। इस संबंध में निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब एमसीडी के अधीन आने वाली सड़कों की शिकायत मिलने के बाद जल्द से जल्द उनकी मरम्मत की जाएगी। इसे लेकर निगम के सभी जोन के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दे दिए गए हैं। सड़क से संबंधित शिकायत के समाधान और उससे जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट को दो से चार दिन में विभाग प्रमुख को सौंपनी होगी। नगर निगम ने इस वर्ष एक हजार किलोमीटर सड़क के मरम्मत का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री विकास कोष, दिल्ली ग्रामोदय अभियान और दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड से प्राप्त धनराशि का उपयोग कर यह कार्य किया जाएगा। इस पहल से आम लोगों को सड़कों पर आवागमन में सहूलियत होगी। महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया कि निगम के अधीन वाली सड़कों के मरम्मत और रखरखाव कार्य के तुरंत समाधान के लिए निर्देश दिए गए हैं। इसे लेकर निगम की टीम कार्य की निगरानी करेंगी। साथ ही, नई सड़कों के निर्माण के लिए भी आदेश दिए गए हैं। महापौर ने कहा कि सड़कों के रखरखाव के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं। लोगों की भागेदारी के साथ ही मिशन को पूरा किया जाएगा। हमारा उद्देश्य है कि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। हम इस अभियान की सघन निगरानी करेंगे और लोगों की शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

20 साल से क्या कर रहे थे, दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी की लगाई क्लास, आरटीआई पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने पारदर्शिता के मुद्दे पर एमसीडी को कड़ी फटकार लगाई है। मामला सूचना का अधिकार कानून के पालन न करने से जुड़ा है। कोर्ट ने हैरानी जताई कि पिछले 20 सालों से एमसीडी ने अपनी वेबसाइट पर जरूरी पब्लिक डॉक्यूमेंट्स अपडेट ही नहीं किए हैं।

बुधवार को चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने एमसीडी से कड़े सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि आरटीआई एक्ट 2005 में लागू हुआ था, लेकिन दो दशक बीत जाने के बाद भी एमसीडी ने पारदर्शिता के नियमों का पालन नहीं किया। एमसीडी ने अपनी वेबसाइट पर सदन के फैसलों, प्रस्तावों और कमेटियों की रिपोर्ट जैसी जानकारियां अपलोड नहीं की हैं।

अदालत ने एमसीडी के वकील से पूछा, आप 20 साल से क्या कर रहे थे? कानून 2005 में पास हुआ था और अब तक आपने यह काम नहीं किया। बेंच ने साफ कहा कि इसके पीछे कोई बहाना नहीं चल सकता। यह साफ है कि आरटीआई एक्ट के तहत जो कानूनी जिम्मेदारी एमसीडी की थी, उसका पालन नहीं किया गया। सेंटर फॉर यूथ कल्चर एंड लॉ एनवायरनमेंट ने कोर्ट को बताया कि एमसीडी की वेबसाइट पर सूचनाओं का सही कैटलॉग तक नहीं है। यहां तक कि बजट की जानकारी भी नदारद है, जबकि आरटीआई एक्ट की धारा 4 के तहत यह सारी जानकारी जनता के लिए खुद-ब-खुद उपलब्ध होनी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को जालसाजी और अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से दर्ज कराई गई दो एफआईआर के आधार पर की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह मामला लाल किले के पास हुए धमाके के बाद सामने आया, जिसके बाद अल फला यूनिवर्सिटी के संचालन से जुड़ी कई कथित अनियमितताओं और फर्जीवाड़े की जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की।

अधिकारी ने बताया कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने भी पहले ही अपनी ओर

से कार्यवाही शुरू कर दी थी। ईडी की जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने सिद्दीकी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी की गई।

गिरफ्तारी के बाद जावेद अहमद सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने पुलिस को चार दिन की हिरासत (पुलिस रिमांड) की अनुमति दी है, ताकि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की गहन पूछताछ की जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और मामले से संबंधित और जानकारियां जुटाई जा रही हैं। आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी। आपको बताते चलें कि अल फला यूनिवर्सिटी उस वक्त लोगों की नजरों में आई थी, जब फरीदाबाद में एक कश्मीरी डॉक्टर को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और बड़ी संख्या में हथियार बरामद हुए थे। इस डॉक्टर का संबंध इसी अला फला यूनिवर्सिटी से था।

पुलिस के अनुसार, यह अभियान फरीदाबाद पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चलाया गया। आरोपी की पहचान मुजम्मिल शकील के रूप में हुई है, जो अल फला यूनिवर्सिटी में शिक्षक के रूप में कार्यरत था।

टैरिफ में भारत को ढील; भड़के पाकिस्तानी लोग

वाशिंगटन , एजेंसी। भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील किया है। इस डील के बाद भारत को अमेरिका में निर्यात पर अब 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी का टैरिफ देना होगा। यह समझौता 2 फरवरी को हुआ। इसे भारत की कूटनीतिक जीत माना जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान को 19 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, भले ही इस्लामाबाद ने ट्रंप प्रशासन के साथ लगातार संपर्क और लॉबिंग की हो।

पाकिस्तान में इस खबर से गुस्सा और निराशा फैल गई है। लोग कह रहे हैं कि महीनों की चापलूसी, नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने के बावजूद पाकिस्तान को भारत से ज्यादा टैरिफ डील मिली। सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं, सम्मान खरीदा नहीं जा सकता।

पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर इस समझौते की आलोचना तेज हो गई है। लोग ट्रंप के पोस्ट्स को देखकर हैरान हैं, जहां उन्होंने इंडिया गेट की तस्वीरें और

इंडिया टुडे मैगजीन के कवर शेयर किए हैं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप साथ दिख रहे हैं। इसके बाद उन्होंने भारतीय सामानों पर टैरिफ 18 प्रतिशत करने की घोषणा की, जो पाकिस्तान के 19 प्रतिशत से एक प्रतिशत कम है। पूर्व पीटीआई मंत्री हम्माद अजहर ने इसे रणनीति की नाकामी बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 21वीं सदी में विदेश नीति फोटो ऑप्स या व्यक्तिगत रिश्तों से नहीं चलती। यह आर्थिक ताकत, टैरिफ और बाजार पहुंच पर आधारित होती है। भारत के यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ हाल के समझौते इसी बात को साबित करते हैं। चापलूसी और फोटो सेशन बेकार हैं।

● चला रखा है भ्रष्टाचार रोधी अभियान

चीन में कुछ होने वाला है, चिनफिंग ने एक साथ हटाए कई जनरल; किए बड़े बदलाव

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में शुमार चीन की सत्ता पर काबिज हुए शी चिनफिंग को करीब 14 वर्ष हो गए हैं। उन्होंने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए न केवल सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी में बड़े पैमाने पर बदलाव किए हैं बल्कि सेना में शीर्ष स्तर पर कई जनरलों की छुट्टी कर चुके हैं। लेकिन सेना में जिस तरह जनरलों और एडमिरलों के खिलाफ कदम उठाए गए हैं, उसके पीछे की वजह संदेह और खतरा बताया जा रहा है।चीनी रक्षा मंत्रालय ने गत 24 जनवरी को यह बताया था कि सेना के शीर्ष

नेतृत्व जनरल झांग यूशिया और एसोसिएट जनरल लियू झेनली गंभीर उल्लंघनों को लेकर जांच में दायरे में हैं। झांग को चिनफिंग का वफादार माना जाता है। यह तो महज एक ताजा घटनाक्रम है, लेकिन बीते तीन वर्षों में चीनी सेना में ऐसा बदलाव हुआ है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। न्यूयार्क टाइम्स के विश्लेषण के अनुसार, चिनफिंग ने खुद के द्वारा 2022 में केंद्रीय सैन्य आयोग में नियुक्त किए गए छह जनरलों में से एक को छोड़कर सभी को हटा दिया है। जबकि 2023 की शुरुआत में 30 जनरल और एडमिरल थे, जो विभिन्न थिएटर कमांड और विशेष अभियानों की कमान संभाल रहे थे। इनमें से लगभग सभी को निकाल दिया गया है या गायब हो गए हैं। इन कदमों की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी सेना में शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का बड़ा खालीपान हो गया है।

कनाडा की टो-ट्रक हिंसा जांच में बड़ा खुलासा, टोरंटो पुलिस 9 अधिकारी भी संगठित अपराध में शामिल !

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर में टो-ट्रक उद्योग से जुड़ी हिंसा और संगठित अपराध के मामलों में टोरंटो पुलिस के नौ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के हवाले से सीबीसी न्यूज ने बताया कि इन अधिकारियों पर मानव तस्करी, हत्यारों को पते लीक करने, पुलिस अधिकारियों के पते उजागर करने और एक जेल अधिकारी की हत्या की साजिश रचने जैसे आरोप हैं।

सूत्रों के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया है कि टोरंटो साउथ डिटेंशन सेंटर के एक यूनिट कमांडर की हत्या की साजिश रची गई थी। इनमें से दो अधिकारी बुधवार को अदालत में पेश हुए और उन्हें अगली सुनवाई तक जमानत पर रिहा किया गया है, जबकि अन्य अधिकारियों की कोर्ट में पेशी गुरुवार को होनी है।इस पूरे मामले की जांच यॉर्क रीजनल पुलिस कर रही है। टोरंटो पुलिस ने फिलहाल इस पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा है कि गुरुवार

को यॉर्क पुलिस की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की जानकारी दी जाएगी। टोरंटो पुलिस प्रमुख मायरोन डेमकिव भी इस प्रेस वार्ता में शामिल होंगे। टोरंटो में टो-ट्रक उद्योग से जुड़ी हिंसा लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है।

युद्धविराम के बावजूद इजराइली हमले में 24 फिलीस्तीनी ढेर

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी में संघर्षविराम के दौरान इजराइल द्वारा किए गए ताजा हमलों में रातभर दर्जनों लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 24 फिलीस्तीनी मारे गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।फिलीस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, यह हमले संघर्षविराम लागू होने के बाद सबसे घातक घटनाओं में से एक हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मृतकों में सात बच्चे शामिल हैं, जबकि कम से कम 38 लोग घायल हुए हैं। यह हिंसा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत गाजा और मिस्र के बीच रफाह सीमा चौकी को आंशिक रूप से फिर से खोला गया था।

हालांकि, फिलीस्तीनी अधिकारियों का कहना है कि इजराइल ने बुधवार को मरीजों को रफाह के रास्ते बाहर जाने से रोक दिया। इजराइली सेना ने दावा किया कि उसके सैनिकों पर गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें एक अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुआ। इजराइल और हमास एक-दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप

लगा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि गाजा में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं और बड़ी संख्या में लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता और सुरक्षित आवागमन की जरूरत है। कार्रवाई में तीन शीर्ष चरमपंथी और कुछ ऐसे लोग मारे गए जो उसकी सेना के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। घातक इजराइली हमलों ने 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम का बार बार उल्लंघन किया है। फलस्तीनी नागरिकों की बढ़ती मौतों के बीच गाजा के लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है मानो युद्ध थमा ही नहीं है। अस्पताल से जुड़े सूत्रों के अनुसार, बुधवार को मारे गए फलस्तीनियों में कम से कम पांच बच्चे, सात महिलाएं और ड्यूटी पर तैनात एक पैरामेडिक शामिल है। गाज़ा सिटी के शिफ़ा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सलमिया ने फ़ेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, गाज़ा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ़ जनसंहार जारी है।

संपादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से राहत की उम्मीद

पिछले कई महीने से अमेरिका की ओर से लागू शुल्क नीति के कारण जहां दुनिया भर में व्यापार युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो रही थी, वहीं भारत के सामने मुख्य चुनौती अपने लिए बेहतर विकल्प तलाश करने की थी। अब सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा, उससे यही लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच परस्पर हित पर आधारित एक समझौता आकार ले सकता है।

ट्रंप ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका-भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शुल्क को पचास फीसद से घटा कर अठारह फीसद किया जाएगा। दूसरी ओर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपनी शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

दोनों देशों की ओर से ऐसी घोषणा को शुल्क के मसले पर महीनों से जारी तनाव के बाद अमेरिका और भारत की नीतियों में अब एक बड़े बदलाव का सूचक माना जा रहा है। हालांकि यह साफ होना बाकी है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अंतिम तौर पर किस स्वरूप में सामने आता है और उसमें बनी सहमति कहां तक परस्पर हित सुनिश्चित करती है। मगर फिलहाल सामने आई खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने जिस तरह शुल्क में कमी करने की बात कही है, उसके अमल में आने पर भारत को राहत मिल सकती है।

दरअसल, कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर अमेरिकी नीतियों का असर पड़ना शुरू हो चुका था। इसके बावजूद भारत ने अमेरिका की ओर से जरूरत से ज्यादा सख्त शर्तों की वजह से समझौते के लिए

सहमति देने को लेकर सावधानी बरती और इससे उपजी मुश्किल का विकल्प तलाशने की कोशिश जारी रखी। यही वजह है कि अमेरिका की ओर से शुल्क को पचास फीसद कर देने की घोषणा के बाद भी भारत ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी। यों ट्रंप ने दावा किया है कि अब भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से कहीं अधिक मात्रा में तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से भी तेल खरीद पर सहमति जताई है। हालांकि भारत और रूस के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने के सवाल पर भारत क्या रुख अपनाता है।

इसके अलावा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाने का एक बड़ा कारण यह था कि भारत कृषि क्षेत्र को पूरी तरह खोलने को लेकर राजी नहीं था। इस मसले पर देश भर में सवाल उठाए गए थे। अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि व्यापार समझौते के अंतिम रूप में भारत कृषि जैसे सबसे संवेदनशील मुद्दे पर क्या हासिल करता है, लेकिन किसानों की ओर से कई तरह की चिंताएं सामने आई हैं।

इस मसले पर आशंका ट्रंप के उस दावे से उपजी है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत की ओर से काफी बड़े स्तर पर अमेरिकी उत्पाद खरीदने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। इसमें ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य उत्पाद शामिल हैं। अगर भारत कृषि क्षेत्र को भी खोलता है, तो इससे यहां के किसानों के सामने चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इसलिए भारत को अपने किसानों की इस फिक्र को ध्यान में रखना चाहिए कि अगर सस्ते अमेरिकी उत्पाद भारत आएंगे, तो देसी फसलों के दाम गिर सकते हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्य कमजोर होगा और सबसे बड़ा नुकसान छोटे तथा सीमांत किसानों को होगा।

डिजिटल युग में निजता की सुरक्षा बड़ी चुनौती

आज के तकनीकी दौर में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हर किसी के लिए एक जरूरत बन गया है। ऐसे में डिजिटल सुविधाओं ने भले ही हमारे कई कार्यों को आसान बना दिया है और सूचना के प्रवाह को तेज कर दिया है, लेकिन इससे उपजे खतरों में निजता की रक्षा का मसला भी गंभीर है। अब ज्यादातर हाथों में स्मार्ट मोबाइल है और इंटरनेट की सुलभता ने सोशल मीडिया तक पहुंच को आसान बना दिया है। मगर, डिजिटल साक्षरता के अभाव में बहुत कम लोग यह समझ रखते हैं कि सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए वे जो निजी जानकारी संबंधित मंच के साथ साझा करते हैं, वह उनकी सहमति के बिना किसी तीसरे पक्ष को उपलब्ध कराई जा सकती है या उसका दुरुपयोग किया जा सकता है। इसी तरह के एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को 'मेटा प्लेटफार्म्स इंक' और 'वाट्सऐप' को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही कहा कि कोई भी कंपनी या मंच निजी जानकारी साझा करने के नाम पर नागरिकों की निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकते। गौरतलब है कि आज एक मोबाइल नंबर लेने से लेकर बैंक में खाता खुलवाने तक, हर जगह संबंधित व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी साझा करनी पड़ती है। कुछ मामलों में तो बायोमेट्रिक पहचान अनिवार्य है, अगर वह तीसरे पक्ष के हाथ लग जाए तो और भी कई तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं। यानी एक व्यक्ति की निजी जानकारी इतनी जगह चली जाती है कि वह तीसरे पक्ष के साथ कहां से साझा की गई, इसका पता लगाना भी मुश्किल हो जाता है। सोशल मीडिया मंच पर भी यह जोखिम बना रहता है, क्योंकि ज्यादातर उपयोगकर्ता उनके नियम-शर्तों से अनभिज्ञ होते हैं। शीर्ष अदालत ने भी इस पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की जाती हैं कि आम व्यक्ति उन्हें समझ ही नहीं सकता। यह निजी जानकारी की चोरी करने का एक सभ्य तरीका है और इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। व्यक्तिगत पहचान सुनिश्चित करने और गैर कानूनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निजी जानकारी की जरूरत की दलील दी जाती है, लेकिन निजता के अधिकार का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

आज का कार्टून

राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित...

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं।

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय

सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई।

कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अतः दोनों पक्षों को अपनी-अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी।

अंततः प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है। परिपक्वता का अर्थ चुप रहना नहीं, बल्कि यह समझना है कि कौन-सा प्रश्न कब, कहां और कैसे उठाया जाए। एक राष्ट्रीय नेता से अपेक्षा होती है कि वह भावनात्मक आवेग के बजाय रणनीतिक विवेक से काम ले। इसी तरह विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह संसद को ठप करने के बजाय उसे प्रभावी बहस का मंच बनाए। संसद का स्थगन किसी की जीत नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार होता है। इस पूरे प्रसंग ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि भारत जैसे विविध और संवेदनशील लोकतंत्र में शब्दों की शक्ति अत्यंत गहरी है। राष्ट्रीय एकता केवल सीमाओं की रक्षा से नहीं, बल्कि जिम्मेदार राजनीति से भी सुरक्षित रहती है। कांग्रेस को यह सोचना होगा कि क्या तात्कालिक राजनीतिक लाभ दीर्घकालिक विश्वसनीयता से अधिक महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी को यह आत्मविश्लेषण करना होगा कि नेतृत्व केवल सवाल उठाने से नहीं, बल्कि मर्यादित और समयबद्ध विवेक से भी बनता है। और सरकार को यह याद रखना होगा कि सशक्त राष्ट्र वही है जो सवालों से नहीं, बल्कि जवाबों से मजबूत होता है। यदि यह संतुलन स्थापित हो सका, तभी संसद का प्रत्येक सत्र वास्तव में राष्ट्र के हित में सार्थक सिद्ध होगा।

रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली-चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुनः प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि 'धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है!' जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की गारंटी निर्भर है।

कमलेश पांडे

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा।

इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सधी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ 9 महीने बाद ही सही पर पुनः काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है!

इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुनः जाग गया है और आर्थिक

रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुनः परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं।

जहां तक मोदी-ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50% तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया। और अब जब मोदी-ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को 'खास' बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की 'चुप्पी कूटनीति' और एससीओ जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई।

कहना न होगा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25% से घटाकर 18% कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ 50% से घटकर 18% हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25% दंड समाप्त हुआ।

जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है।

इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत-अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुईं, जहां 25% अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8-10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे।

इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप-मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान एससीओ जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50% टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20% वृद्धि हुई। अमेरिकी सांसदों ने इन्हें खत्म करने की मांग की, लेकिन ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति बाधा बनी हुई है।

इस प्रकार भारत अमेरिका डील के द्विपक्षीय मायने स्पष्ट हैं। भारत और अमेरिका के बीच हालिया डीलें, विशेष रूप से रक्षा और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। ये डीलें रणनीतिक साझेदारी को गहरा करती हैं, भले ही टैरिफ जैसे विवाद बने रहें। खासकर रक्षा समझौते का अपना महत्व हैं। भारत-अमेरिका ने 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 2015 की रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, सूचना साझाकरण और हिंद-प्रशांत में चुनौतियों (जैसे चीन का प्रभाव) का सामना करने के लिए आधारशिला बनेगा। टैरिफ तनाव के बावजूद रक्षा सहयोग बढ़ रहा है।

जहां तक व्यापार डील की प्रगति की बात है तो दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें हाल ही में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ 25% से घटाकर 18% किया। जबकि, दूध, कृषि और डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों पर बातचीत जारी है, लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ और जीएसपी लाभ बहाली चुनौतियां बनी हुई हैं। पहला चरण सितंबर-अक्टूबर 2025 तक पूरा करने की कोशिश थी।

इन बातों का द्विपक्षीय प्रभाव यह पड़ेगा कि ये डीलें आर्थिक निर्यात बढ़ावा, रोजगार सृजन और रक्षा तकनीक हस्तांतरण लाएंगी। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं में दोनों देशों का अभिसरण मजबूत होगा, हालांकि टैरिफ और बाजार पहुंच पर असहमति बनी रहेगी। कुल मिलाकर, ये संबंधों को स्थिरता प्रदान करेंगे।

ईशा ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीता

10 मीटर एयर पिस्टल सम्राट को ब्रॉन्ज, पहले दिन भारत ने 9 मेडल जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशा सिंह ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीत लिया है। नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा ने 239.8 का स्कोर किया। वहीं मेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में सम्राट राणा को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

19वें शॉट में बढ़त बनाई– बुधवार को खेले गए फाइनल में ईशा ने शुरुआती पांच शॉट के बाद सातवें स्थान से वापसी करते हुए 19वें शॉट के बाद निर्णायक बढ़त बनाई। चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग को सिल्वर और यू वी एन को ब्रॉन्ज मिला।

सम्राट राणा को ब्रॉन्ज– पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत के सम्राट राणा ने 220.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस इवेंट में उज्बेकिस्तान के विलामदिर स्वेश्निकोव ने गोल्ड (242.0) और कजाखस्तान के वैलीरी राखीमजान ने सिल्वर जीता।

मनु भाकर को टीम इवेंट में गोल्ड– टीम इवेंट में भी भारत ने शानदार खेल दिखाया। विमेंस एयर पिस्टल टीम में ईशा सिंह, मनु भाकर और सुरुचि सिंह की तिकड़ी ने 1726 अंकों के साथ गोल्ड जीता, जो वियतनाम से 13 अंक अधिक रहा। पुरुष टीम में सम्राट राणा, श्रवण कुमार और वरुण तोमर को सिल्वर मिला।

जोनाथन को गोल्ड– जूनियर वर्ग में जोनाथन गेविन एंटोनी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में 240.9 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और चिराग शर्मा और प्रियांशु यादव के साथ टीम गोल्ड भी हासिल किया। दिन के आखिरी इवेंट, पुरुष यूथ 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत ने 1–2 फिनिश किया। धैर्य पराशर ने गोल्ड और मंदीप चौहान ने सिल्वर जीता, जबकि दोनों ने गिरीश गुप्ता के साथ मिलकर टीम गोल्ड भी अपने नाम किया।

रणजी ट्रॉफी

क्वार्टर फाइनल मैच से पहले मुंबई को बड़ा झटका, सरफराज खान अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से पहले मुंबई को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज सरफराज खान बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हो गए हैं और वह इस अहम नॉकआउट मुकाबले से बाहर हो गए हैं। सरफराज को बुधवार को तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टीम सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन ठीक होने में

कुछ दिन लगेंगे जिससे क्वार्टर फाइनल में उनके खेलने की संभावना बहुत कम है। यह 28 वर्षीय क्रिकेटर इस रणजी सीजन में मुंबई के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, उन्होंने मिडिल ऑर्डर में काफी रन बनाए हैं और बल्लेबाजी लाइनअप को स्थिरता दी है। उम्मीद है कि उनकी गैरमौजूदगी से मजबूत कर्नाटक टीम के खिलाफ मुंबई की बल्लेबाजी कमजोर होगी। मुंबई शुक्रवार से बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में शुरू होने वाले क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक का सामना करेगा। टीम मैनेजमेंट ने अभी तक किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी का नाम नहीं बताया है, हालांकि टीम में लौटने वाले सीनियर खिलाड़ियों से अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद है। कई अनुभवी खिलाड़ियों वाली कर्नाटक की टीम मुंबई की इस परेशानी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी, क्योंकि दोनों टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाने पर नजर गड़ाए हुए हैं।

अंडर 19 वर्ल्ड कप

भारत-इंग्लैंड के बीच फाइनल आज

● भारत का सामना अपराजेय इंग्लैंड से, इस गेंदबाज से बचने की जरूरत

हरारे (एजेंसी)। छठा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी भारत की अंडर 19 क्रिकेट टीम जब आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के फाइनल में शुक्रवार को इंग्लैंड से खेलेगी तो उसकी उम्मीदें शानदार फॉर्म में चल रहे अपने बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जीत दर्ज की जिसमें कप्तान आयुष म्हात्रे और सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज ने यादगार पारियां खेली। इस जीत से पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम का हौसला बढ़ा है जिसने पिछली बार 2022 में खिताब जीता था।

नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेगी

भारत ने अमेरिका के खिलाफ पहले ग्रुप मैच से ही बेहतरीन खेल दिखाया है। सेमीफाइनल में 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को हराकर भारतीय टीम ने अपराजेय रिकॉर्ड कायम रखा। अब उसका सामना एक और अपराजेय टीम इंग्लैंड से होना है। भारत को बखूबी पता है कि गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड के हौसले बुलंद है और उसे हराना आसान नहीं होगा। भारत को एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा और नजरें वैभव सूर्यवंशी पर भी लगी होंगी जिनके बल्ले से हो रही आतिशबाजी का जवाब तलाशने के लिए विरोधी गेंदबाज जूझते नजर आए हैं। अगले महीने 15 वर्ष के हो रहे सूर्यवंशी तीन अर्धशतक और एक शतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के सामने उन्हें हालांकि संयम से खेलना होगा क्योंकि मैन्नी लुम्सडेन की अगुवाई में उसके पास मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है।

भारत को मैन्नी लुम्सडेन से बचना होगा

ऐसे में स्पिनर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल की भूमिका अहम हो जाएगा हालांकि टीम संयोजन पिच की स्थिति पर निर्भर करेगा। टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में कोई भारतीय नहीं है। इंग्लैंड के मैन्नी लुम्सडेन 15 विकेट लेकर शीर्ष पर है। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। इंग्लैंड के लिए बेन मायेस ने एक शतक और दो अर्धशतक समेत 399 रन बनाए हैं। कप्तान थॉमस रियू भी अच्छे फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक समेत 299 रन बना चुके हैं।

आरोन का शतक, अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

दुबई (एजेंसी)। भारत ने 10वीं बार अंडर–19 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। 6 फरवरी को टीम इंडिया का फाइनल मैच इंग्लैंड के साथ होगा। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 310 रन बनाए हैं। टीम से फैजल शिनोजादा (110 रन) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101 रन) ने शतकीय पारियां खेलीं। भारत से दीपेश देवेन्द्रन और कनिष्क चौहान ने दो–दो विकेट झटके। 311 रन के जवाब में भारतीय टीम ने ओपनर आरोन जॉर्ज (115 रन) के शतक की बदौलत 41.1 ओवर में 3 विकेट पर जीत हासिल कर ली। टीम से वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और कप्तान आयुष म्हात्रे (62 रन) ने फिफ्टी लगाई। भारत ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा रन चेज किया है। इतना ही नहीं, भारत ने यूथ वनडे में सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है। इस मुकाबले में 620 रन बने। जोकि भारत और अफगानितान की टीमों के बीच यूथ वनडे मैच में सबसे ज्यादा हैं। पिछला रिकॉर्ड 521 रनों का था, जोकि 5 साल पहले 27 दिसंबर 2021 को आईसीसी के दुबई मैदान पर बना था।

टी20 वर्ल्ड कप

भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने पर पीएम शरीफ की बांग्लादेश ने की सराहना

ढाका (एजेंसी)। आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव बढ़ता दिख रहा है। इसी बीच बांग्लादेश के युवा एवं खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के रुख की खुलकर सराहना की है। नजरुल ने कहा कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का पाकिस्तान का फैसला बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दर्शाता है, जिसे टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद समर्थन की जरूरत थी। इस बयान ने पूरे मामले को और चर्चा में ला दिया है।

आसिफ नजरुल की प्रतिक्रिया– गुरुवार को आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए पाकिस्तान के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह कदम बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से हटाए जाने के विरोध में उठाया गया है। नजरुल ने पोस्ट में पाकिस्तान का धन्यवाद करते हुए इसे खेल भावना और आपसी समर्थन का उदाहरण बताया।

शहबाज शरीफ के बयान का हवाला

नज़रुल ने इस्लामाबाद में हुई पाकिस्तान कैबिनेट की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ की टिप्पणियों का भी ज़िक्र किया। शरीफ़ ने कहा था कि भारत के खिलाफ़ मैच न खेलने का फैसला राजनीति से प्रेरित नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया गया है।

● हरियाणा के खिलाड़ियों का जर्मनी में दबदबा

वेटलिफ्टिंग में भिवानी के संदीप कुमार ने जीता स्वर्ण

● ज्योति प्रकाश ने पाया कांस्य पदक

नारनौल (एजेंसी)। जर्मनी के शहर पोट्सडम में आयोजित 5वीं ओपन इंटरनेशनल मास्टर्स वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक अपने नाम किए। इन पदकों में 3 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता में हरियाणा के दो खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया।

हरियाणा मास्टर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन की जॉइंट सेक्रेटरी व नारनौल की कविता ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत की ओर से 10 सदस्यों की टीम ने भाग लिया। टीम का नेतृत्व भारतीय मास्टर्स वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी उदय शेट्टी की अगुवाई में किया गया।

हरियाणा के दो खिलाड़ी शामिल

उन्होंने बताया कि हरियाणा के भिवानी जिला के संदीप कुमार ने 65 किलो पुरुष भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की, जबकि हरियाणा के ही ज्योति प्रकाश ने 110 किलो पुरुष भार वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया।

पंजाब के खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन

पंजाब के संतोष कुमार ने 110 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा राजविंदर सिंह (79 किलो), चरणजीत सिंह (88 किलो) और पलसाना कुलकर्णी (94 किलो) ने रजत पदक जीते।

बीएसएफ के राजेश बत्रा ने 88 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। आर्मी की 102 इंजीनियर रेजीमेंट के सूबेदार इकबाल सिंह ने प्लस 110 किलो वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि केरल की लेवियस बाबा ने प्लस 86 किलो महिला वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया।

पूर्व मंत्री ने दी बधाई

इस प्रतियोगिता में भारतीय मास्टर वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के उपाध्यक्ष संतोष कुमार ने चीफ कोच की भूमिका निभाई। पूर्व मंत्री व नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव सहित कई खेल प्रेमियों और संगठनों ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

ईशान को बैटर्स रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा

● ऑलराउंडर्स में पाकिस्तान के सईम अयूब नंबर-1, शिवम दुबे टॉप-10 में आए

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बैटर ईशान किशन को आईसीसी रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा हुआ है। बुधवार को जारी प्लेयर्स रैंकिंग में ईशान 584 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 32वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सईम अयूब ने पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।

भारत के शिवम दुबे को भी ऑलराउंडर्स में दो स्थान का फायदा हुआ। वे अब 186 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 11वें से नौवें पायदान पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर काबिज

टी-20 बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर, श्रीलंका के पथुम निसांका, भारत के सूर्यकुमार यादव और न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। वहीं चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेलने वाले

तिलक वर्मा को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वे पांच मैचों की सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ईशान ने चार मैचों में कुल 215 रन बनाए।

नवाज को 8 स्थान का फायदा– पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की बढ़त के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वह अब भारत के वरुण चक्रवर्ती से सिर्फ 28 रेटिंग पॉइंट्स पीछे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में उन्होंने छह विकेट चटकाए।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने भी बड़ी छलांग लगाई है। वे आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सीरीज के आखिरी मैच में उनके पांच विकेट काफी अहम साबित हुए।

अयूब ने सीरीज में 119 रन बनाए

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में सईम अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी लिए। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने एक स्थान की बढ़त हासिल की और ऑलराउंडर्स रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।

उनके बाद 289 रेटिंग पॉइंट्स के साथ सिकंदर रजा दूसरे नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पांड्या 247 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज चौथे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज पांचवें स्थान पर हैं।

फेड कप 2026 चयन विवाद

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ पर साधा निशाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने फेडरेशन कप 2026 के चयन को लेकर हरियाणा कुश्ती संघ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चयन मानदंडों को 'अनुचित' बताते हुए कहा कि मौजूदा नियम न सिर्फ भेदभावपूर्ण हैं, बल्कि कई प्रतिभाशाली पहलवानों के करियर पर भी खतरा बन सकते हैं। विनेश का मानना है कि सीमित ट्रायल नीति भारतीय कुश्ती में निष्पक्षता और नए टैलेंट के विकास दोनों के खिलाफ है।

- **चयन मानदंडों पर विनेश की कड़ी आपत्ति–** विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें फेड कप 2026 के ट्रायल केवल 2025 के सीनियर राज्य पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पहलवानों तक सीमित कर दिए गए हैं। उनका कहना है कि इस नीति ने हजारों मेहनती खिलाड़ियों को बिना किसी ठोस कारण के बाहर कर दिया है।
- **उम्र सीमा और चोट से जूझ रहे पहलवानों की अनदेखी–** फोगाट ने यह भी कहा कि उम्र सीमा के कारण 2025 सीनियर नेशनल में हिस्सा न ले पाने वाले पहलवान 2026 में पूरी तरह योग्य हैं, फिर भी उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा। इसके अलावा, चोटिल खिलाड़ियों को भी चयन से बाहर कर दिया गया है, जो उनके अनुसार अन्यायपूर्ण है क्योंकि चोट खेल का हिस्सा होती है, अपराध नहीं।
- **ये टूर्नामेंट हर खिलाड़ी का सपना होते हैं–** विनेश ने जोर देकर कहा कि एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप और फेडरेशन कप जैसे इवेंट हर पहलवान के करियर के लिए बेहद अहम होते हैं। उनका मानना है कि मौजूदा चयन नीति खिलाड़ियों के भविष्य पर समय से पहले ब्रेक लगाने जैसा है और सालों की मेहनत को बेकार कर देती है।
- **निष्पक्ष ट्रायल की कमी से रुक रहा नया टैलेंट–**स्टार पहलवान ने राज्य स्तर पर निष्पक्ष ट्रायल न होने को भारतीय कुश्ती की सबसे बड़ी समस्या बताया।

2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को बाहर क्यों?

विनेश ने खास तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक साल पहले देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवान अचानक अयोग्य हो जाते हैं। उनके मुताबिक, यह फैसला प्रदर्शन आधारित चयन की मूल भावना के खिलाफ है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। प्रधान संपादक-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670